डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Channel Search @rojgaraurnirman

मध्यप्रदेश में कम हो रहे हैं कोरोना संक्रमण के प्रकरण - मुख्यमंत्री

"भोपाल, सभी के निरंतर प्रयासों तथा जनता के सक्रिय सहयोग से अब प्रदेश में कोरोना संक्रमण कम हो रहा है। बड़ी संख्या में मरीज स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं। जनता कर्फ्यू का प्रभाव प्रदेश में दिखने लगा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं के संबंध में कोर ग्रुप के सदस्यों की बैठक में कहीं।"

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की स्थिति पर कोर ग्रुप के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 94 हजार से अधिक हो गई थी, जो अब 92 हजार 77 रह गई है। पिछले 24 घंटे में 13 हजार 363 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं। कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में 696 की कमी आई है।

साप्ताहिक औसत पॉजिटिविटी रेट 22.7 प्रतिशत

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कोरोना पॉजिटिविटी रेट में भी निरंतर गिरावट आ रही है। प्रदेश की साप्ताहिक औसत पॉजिटिविटी रेट 22.7 प्रतिशत रह गई है। प्रदेश में 15 अप्रैल को 55 हजार 694 और 22 अप्रैल को 84 हजार 957 सक्रिय मरीज थे, वहीं 29 अप्रैल को 92 हजार 77 सक्रिय मरीज हैं।

भोपाल में सर्वाधिक नए प्रकरण

जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि भोपाल में सर्वाधिक 1811 नए कोरोना प्रकरण आए हैं। इंदौर में 1789, ग्वालियर में 920, जबलपुर में 741, रीवा में 348, उज्जैन में 308 तथा रतलाम में 296 नए कोरोना प्रकरण आए हैं।

निरंतर बढ़ रही है ऑक्सीजन की उपलब्धता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन की उपलब्धता निरंतर बढ़ रही है। हवाई मार्ग, रेल मार्ग एवं सड़क मार्ग तीनों से ऑक्सीजन मध्यप्रदेश आ रही है। प्रदेश को 28 अप्रैल को 568.76 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि सभी जिले आवश्यकतानुसार ऑक्सीजन का उपयोग करें। ऑक्सीजन का अनावश्यक व्यय न किया जाए।

कोरोना नियंत्रण में समाज के सभी वर्गों का है सहयोग

श्री चौहान ने कोरोना नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए प्रभारी मंत्री, जन-प्रतिनिधियों, समाज सेवियों और अधिकारी/कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग और संयम से कोरोना पर विजय हासिल होगी। मुख्यमंत्री को बैठक में कलेक्टर और आपदा प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा संक्रमण नियंत्रण प्रयासों, होम आइसोलेशन, कोविड केयर सेंटरों के संचालक की व्यवस्थाओं को बताया। जनता कर्फ्यू के प्रभावी नियंत्रण के लिए किए गए प्रेरणादायी प्रतिबंधात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाईयों की जानकारी दी।

गेहूं उपार्जन में कोई बाधा नहीं

मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों से कहा कि आप लोग निश्चित रहें। आपकी उपज का एक-एक दाना खरीदा जायेगा। मुख्यमंत्री ने गेहूं उपार्जन में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह हौसले का ही परिणाम है कि अभी तक 61 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन कर लिया गया है। इसी के साथ चने एवं मसूर का उपार्जन भी किया जा रहा है।

असाध्य नहीं है कोरोना

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना साध्य है, असाध्य नहीं। इसका इलाज हो सकता है और हो रहा है। इससे घबरायें नहीं सतर्कता अवश्य रखें। उन्होंने कहा कि सामान्य सर्दी-जुकाम-बुखार आने पर लापरवाही न करें। तुरंत जांच करवायें। किल कोरोना अभियान-2 के तहत हमारी टीम घर-घर पहुंच रही है। पॉजिटिव आने पर होम आइसोलेशन में रहें। घर में संभव हो तो एक पृथक कमरे में आराम कर उपचार करें।

कोरोना मुक्त ग्राम अभियान

डोर-टू-डोर कोरोना सर्वे एवं औषधि किट का वितरण

होशंगाबाद, कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं कोरोना संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए होशंगाबाद जिले में 'कोरोना मुक्त ग्राम' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में जिले की 421 ग्राम पंचायतों में एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सर्विलांस टीम द्वारा घर-घर जाकर कोरोना सर्वे किया जा रहा है। साथ ही आमजनों/होम आइसोलेटेड मरीजों को औषधि किट का वितरण और कोरोना से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी एवं सतर्कता बरतने की सलाह भी दी जा रही हैं। कलेक्टर श्री धनंजय सिंह ने बताया कि कोरोना नियंत्रण एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आह्वान पर जिले की 421 ग्राम पंचायतों के 973 ग्रामों में ग्रामीणों द्वारा स्व-प्रेरणा से जनता कर्फ्यू के पालन का संकल्प लिया है।

कक्षा 10वीं और 12वीं को छोड़कर शेष कक्षाओं की ऑनलाइन क्लासेस स्थगित

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं और 12वीं को छोड़कर शेष कक्षाओं की ऑनलाइन क्लासेस 31 मई तक संचालित नही होंगी। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत ने बताया कि वर्तमान में कोविड संक्रमण विस्तार के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है।

खास खबर

उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के बीच अंतर्राज्यीय बस परिवहन सेवा स्थगित

भोपाल, राज्य शासन ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर प्रभावी रोकथाम के लिए लोकहित में मध्यप्रदेश में उत्तरप्रदेश राज्य से आने तथा जाने वाले बस परिवहन संचालन को स्थगित कर दिया है।

सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकारी एवं अपर परिवहन आयुक्त ने 29 अप्रैल से 7 मई 2021 तक मध्यप्रदेश राज्य की समस्त यात्री बस वाहनों का उत्तरप्रदेश राज्य की सीमा में प्रवेश तथा उत्तरप्रदेश राज्य की समस्त यात्री बस वाहनों का मध्यप्रदेश राज्य की सीमा में प्रवेश स्थगित करने का आदेश जारी किया है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

गेहूं उपार्जन की समीक्षा

गरीब परिवार को तीन माह में 25 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति व्यक्ति के मान से निःशुल्क मिलेगा

भोपाल, गरीब परिवारों को राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क दिये जाने वाले खाद्यान्न के साथ ही केन्द्र सरकार से प्राप्त 10 किलो खाद्यान्न का वितरण भी किया जाए। इस तरह परिवार के प्रत्येक सदस्य के मान से 25 किलोग्राम अनाज तीन माह में गरीबों को निःशुल्क प्राप्त होगा। योजना का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए व्यापक स्तर पर जन-जागृति के कार्य किए जायें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने संक्रमण चुनौती के काल में खाद्य विभाग और सहकारिता क्षेत्र के कर्मचारियों/अधिकारियों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो हितग्राही अप्रैल-मई माह का अनाज ले गए हैं उनको जून माह में अतिरिक्त आवंटन की पूर्ति की जाए। श्री चौहान ने गेहूं उपार्जन कार्य की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए परिवहन कार्य में और अधिक गति लाने के प्रयास करने के लिए कहा है। श्री चौहान ने कहा कि उपार्जन एवं राशन वितरण व्यवस्थाओं में संक्रमण से बचाव की सावधानियों का पूरी गम्भीरता से पालन होना चाहिए। राशन वितरण में बॉयोमेट्रिक्स व्यवस्था से छूट दी जाए। मास्क पहनने और सेनेटाइजेशन की व्यवस्थाओं का कड़ाई से अनुपालन हो।

श्री चौहान को बताया गया कि खरीदी की अवधि बढ़ाने और पोर्टल को शनिवार को खुला रखने के कार्य किए गए हैं। जिन खरीदी केन्द्रों में 5 मई तक खरीदी होनी थी, वहां अब 15 मई तक खरीदी का कार्य किया जाएगा। इसी तरह 15 मई तक खरीदी केन्द्रों में 25 मई तक खरीदी होगी।

इसी तरह खरीदी केन्द्रों की क्षमता के अनुसार एस.एम.एस. भेजे जा रहे हैं, ताकि केन्द्रों पर भीड़ एकत्र नहीं हो। उनको बताया गया कि प्रदेश में खरीदी की मात्रा के अनुसार बारदाने उपलब्ध हैं। प्रदेश में कुल 24 लाख 65 हजार सत्यापित किसानों में से 16 लाख 5 हजार किसानों को एस.एम.एस. भेजे गए हैं।

बैठक में बताया गया कि 7 लाख 32 हजार किसानों से 10 हजार 596 करोड़ रुपए खाद्यान्न की खरीदी हो चुकी है। किसानों को 6 हजार 683 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। भुगतान 5 दिवस की अवधि में किया जा रहा है। प्रदेश में 4 हजार 588 खरीदी केन्द्रों द्वारा खरीदी का कार्य किया जा रहा है। सभी 94 सेक्टरों में उपार्जन एजेंसी द्वारा परिवहनकर्ता नियुक्त हैं।

सभी संभागीय मुख्यालयों में लगेंगे बड़े ऑक्सीजन प्लांट - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंत्रीगणों और अधिकारियों से चर्चा करते हुए।

भोपाल, मध्यप्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों में बड़े ऑक्सीजन प्लांट लगाये जायें। अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोविड-19 की रोकथाम एवं व्यवस्थाओं के संबंध में कोर ग्रुप के साथ समीक्षा बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुये कही। बैठक में कोविड कोर समिति के सदस्य, मंत्रीगण और अधिकारी ऑनलाइन शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार में कमी आई है। प्रदेश और देश के अन्य क्षेत्रों के अनुभव ने सिखाया है कि जहां भी जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन किया गया, वहां पर संक्रमण में कमी आई है। उन्होंने जन-प्रतिनिधियों से कहा कि वे आगामी 10 दिन तक पूरी कड़ाई से जनता कर्फ्यू को लागू करने के लिये आमजन का नेतृत्व करें। उन्होंने वैक्सीनेशन कार्य को नियोजित ढंग से किये जाने के लिये 18 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों की संख्या और प्रतिदिन वैक्सीनेशन डोज की उपलब्धता के आधार पर टीकाकरण का कार्यक्रम प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 45 वर्ष से अधिक उम्र वाले व्यक्तियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और फ्रंटलाइन वर्कर के वैक्सीनेशन के कार्य की गति कम नहीं हो। उन्होंने अस्पतालों के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर वैक्सीनेशन केन्द्रों की स्थापना की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश दिये। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं को और अधिक मजबूत बनाने के लिये आगामी बजट में बड़ी राशि का प्रावधान किया जायेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

24 अप्रैल

सीबीएसई ने कक्षा नौवीं से बारहवीं तक परीक्षा पैटर्न में किया बदलाव

● केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 से कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव किया है। सीबीएसई के एक अधिकारी ने बताया कि यह बदलाव नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किया गया है। इस बदलाव के तहत अब कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों से योग्यता या क्षमता आधारित प्रश्न (30 प्रतिशत) पूछे जायेंगे। ये प्रश्न बहुविकल्पीय, केस आधारित, स्रोत आधारित या अन्य प्रकार के हो सकते हैं। परीक्षा में 20 प्रतिशत प्रश्न वस्तुनिष्ठ होंगे, जबकि 50 प्रतिशत प्रश्न लघु तथा दीर्घ उत्तरीय होंगे। वहीं कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों से 20 प्रतिशत योग्यता या क्षमता आधारित प्रश्न, 20 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न तथा 60 प्रतिशत लघु तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

● कोरोना महामारी के दौर में इंटरनेट तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी का प्रसार करने वालों पर केन्द्र सरकार ने सख्त एक्शन लेने का फैसला किया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भ्रामक खबरों और यूआरएल हटाने के निर्देश दिये हैं। मंत्रालय ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर इस प्रकार की भ्रामक पोस्ट डालने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई भी कर सकती है।

● देश में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुये श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट ने हेमकुंड साहिब की तीर्थयात्रा को स्थगित करने का निर्णय लिया है। यह तीर्थयात्रा 10 मई से शुरू होनी थी। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेन्द्रजीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस हालात में यात्रा शुरू नहीं की जा सकती है। कोरोना संक्रमण कम होने के बाद ही यात्रा शुभारंभ की दूसरी तिथि निर्धारित की जायेगी।

25 अप्रैल

जाइडस की कोरोना दवा वीराफिन के इमरजेंसी इस्तेमाल को मिली मंजूरी

● भारत की दवा नियामक संस्था डीसीजीआई ने कोरोना मरीजों के इलाज के लिये दवा निर्माता कम्पनी जाइडस कैडिला की दवा 'वीराफिन' के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी प्रदान की है। जाइडस का दावा है कि यह दवा कोरोना के हल्के लक्षणों वाले मरीजों के इस्तेमाल में अभूतपूर्व रूप से कारगर है। इस दवा के इस्तेमाल से कोरोना मरीजों की आरटीपीसीआर रिपोर्ट सात दिनों में निगेटिव आई है। कंपनी ने बताया कि भारत में इस दवा का इस्तेमाल पिछले 10 वर्षों से हो रहा है, लेकिन इसे कोरोना मरीजों के इलाज के लिये नये सिरे से बनाया गया है। कंपनी ने बताया कि तीसरे ट्रायल के दौरान 25 सेंटर्स पर कोरोना मरीजों पर इस दवा का इस्तेमाल किया गया है। इस दवा के इस्तेमाल के बाद कोरोना के हल्के लक्षण वाले मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ती है।

● यरूशलम में फिलिस्तीनियों और इजराइली नागरिकों के बीच हिंसा के बाद फिलिस्तीन और इजराइल के बीच चिंता बढ़ गई है। इस हिंसा के बाद फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने इजराइल पर तीन दर्जन से अधिक रॉकेट हमले किये। इजराइली सेना ने इन हमलों पर पलटवार किया। इजराइली सेना ने बताया कि इजराइल के लड़ाकू विमानों ने हमास के रॉकेट लॉन्चर्स पर हमले किये। सेना के अनुसार फिलिस्तीनी उग्रवादियों के रॉकेट हमले से कोई जनहानि नहीं हुई है।

26 अप्रैल

इंडोनेशिया की लापता पनडुब्बी बाली के पास समुद्र में मिली

● इंडोनेशिया की लापता पनडुब्बी का पता चल गया है। यह पनडुब्बी बाली द्वीप के

नजदीक समुद्र की गहराई में मिली है। पनडुब्बी के मलबे की दशा को देखते हुये पनडुब्बी के भीतर मौजूद 53 नौसैनिकों के बचने की उम्मीद खत्म हो गई है। यह जानकारी इंडोनेशिया की नौसेना के प्रमुख हादी जाहजांतो ने दी। जाहजांतो ने बताया कि पनडुब्बी केआरआई नांगला 402 जहां से लापता हुई थी, उसी के नजदीक समुद्री सतह में फैले तेल को साक्ष्य मानते हुये पनडुब्बी की तलाश की गई। कुछ ही दूरी पर पनडुब्बी का मलबा समुद्र के भीतर लगभग 500 मीटर की गहराई में मिला है। यह पनडुब्बी समुद्र में अधिकतम 200 मीटर की गहराई तक जा सकती थी। पनडुब्बी के डूबने के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

● दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन आसियान के सदस्य म्यांमार को सहायता देने की योजना पर सहमत हो गये हैं। इस सहायता योजना की शर्त होगी कि म्यांमार की सैन्य सरकार आम नागरिकों के विरुद्ध हिंसा को पूरी तरह रोके। आसियान की बैठक में शामिल म्यांमार के सैन्य प्रमुख मिन आंग लैंग इस बात के लिये सहमत हो गये हैं कि नागरिकों के साथ हिंसा नहीं होनी चाहिये। बैठक के दौरान पांच बिन्दुओं पर सहमति बनने के बाद हिंसाग्रस्त म्यांमार में शांति स्थापना की उम्मीद बढ़ गई है। भारत ने आसियान के कदम का स्वागत किया है।

● अमेरिका के खगोलशास्त्रियों ने आकाशगंगा के सबसे छोटे ब्लैकहोल की पहचान की है। यह ब्लैकहोल हमारे सौरमंडल के काफी नजदीक है। इस ब्लैकहोल को यूनिकॉर्न नाम दिया गया है। शोधकर्ताओं ने कहा कि छोटा होने के बावजूद इस ब्लैकहोल का द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान से तीन गुना अधिक है। यह ब्लैकहोल पृथ्वी से 1500 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।

27 अप्रैल

विमानन कंपनियां 31 मई तक नहीं बढ़ा पायेंगी हवाई किराया

● केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कोरोना काल में लोगों को बड़ी राहत देते हुये 31

मई तक घरेलू उड़ानों का किराया नहीं बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। इस निर्देश के बाद विमानन कंपनियां 31 मई तक हवाई किराये में वृद्धि नहीं कर सकेंगी। इसके अलावा मंत्रालय ने बताया कि अगले महीने के अंत तक हवाई उड़ानें 80 प्रतिशत यात्री क्षमता के साथ ही उड़ सकेंगी। विमानन कंपनियों ने मंत्रालय से विमानन कंपनियों से अपील की थी कि यात्री क्षमता को घटाकर 60 प्रतिशत किया जाये, क्योंकि अप्रैल माह में टिकटों की बुकिंग में काफी कमी आई है। उल्लेखनीय है पिछले वर्ष कोरोना महामारी के चलते हवाई यात्रा पर दो महीने तक पूरी तरह रोक लगी थी। इस रोक को धीरे-धीरे हटाया गया था।

● इराक की राजधानी बगदाद में एक कोविड अस्पताल में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 82 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुये हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इब्नअल खातिब अस्पताल में आग ऑक्सीजन सिलेंडर के फटने से लगी है। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। अस्पताल से अन्य मरीजों को सुरक्षित निकाला गया है। इराक में संयुक्त राष्ट्र की राजदूत जेनिन हेनिस प्लेसकार्ट ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुये इराकी सरकार से अस्पतालों में अधिक सुरक्षा उपाय करने का आह्वान किया है।

● देश में कोरोना महामारी का संकट देखते हुये विभिन्न राज्यों में स्थित 16 हज हाउस को कोरोना केयर सेंटर बनाया जायेगा। यह जानकारी केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने हज कमेटी के साथ चर्चा के बाद दी। श्री नकवी ने कमेटी से कहा कि संबंधित राज्य सरकारों के साथ समन्वय कर कोरोना संक्रमण रोकने के लिये हज हाउस को कोरोना केयर सेंटर बनायें।

28 अप्रैल

आईसीएआई ने सीए की परीक्षाएं कीं स्थगित

● इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकरणों को देखते हुये चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) इंटरमीडिएट और फाइनल की परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। सीए फाइनल की परीक्षाएं 21 मई से तथा सीए इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 22 मई से शुरू होनी थीं। परीक्षा की नई तारीखों की घोषणा परीक्षा शुरू होने से कम से कम 25 दिन पहले की जायेगी। आईसीएआई ने कहा है कि परीक्षार्थियों की सुरक्षा को देखते हुये ये परीक्षाएं स्थगित की गई हैं। परीक्षा की नई तारीखें संस्थान की वेबसाइट पर जारी की जायेंगी।

● रूस की कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक-वी भारत में मई से उपलब्ध हो जायेगी। भारत में इस वैक्सीन की निर्माता कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरटरीज के सीईओ ने बताया कि हमारी कम्पनी ने भारत में स्पूतनिक-वी वैक्सीन बनाने के लिये 5 दवा कंपनियों के साथ करार किया है। इनमें से दो इकाइयों से जून-जुलाई माह में सप्लाई शुरू हो जायेंगी। उन्होंने बताया कि रूस से स्पूतनिक-वी वैक्सीन की पहली खेप जल्द आ जायेगी। यह पहली खेप सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों को दी जायेगी।

● केन्द्र सरकार ने उद्यमों को 31 मई तक भरे जाने वाले मासिक जीएसटी रिटर्न फाइल को इलेक्ट्रॉनिक वेरीफिकेशन कोड (ईवीसी) के जरिये वेरीफाई करने की अनुमति प्रदान की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि किसी भी पंजीकृत व्यक्ति को 21 अप्रैल से 31 मई 2021 की अवधि के दौरान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में रिटर्न और बाहर की गई आपूर्ति का ब्यौरा फॉर्म जीएसटीआर-1 में देने की अनुमति होगी। इस ब्यौरे का सत्यापन इलेक्ट्रॉनिक वेरीफिकेशन कोड के जरिये होगा। उल्लेखनीय है कि अभी कंपनियों को मासिक रिटर्न फाइल करने तथा कर भुगतान के दौरान जीएसटीआर-बीआर फॉर्म पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर की जरूरत होती है।

29 अप्रैल

यूरोपीय सांसदों ने ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते को दी मंजूरी

● यूरोपीय सांसदों ने ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ब्रेक्जिट के बाद व्यापार

समझौते के अंतिम सत्यापन को मंजूरी प्रदान की है। ब्रिटेन और ईयू के बीच व्यापार समझौते पर सहमति लगभग पांच वर्ष बाद बनी है। इस समझौते को पिछले वर्ष क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अंतिम रूप दिया गया था। इस समझौते को ब्रिटेन की संसद ने पहले ही मंजूरी प्रदान कर दी थी और इस यूरोपीय संसद से मंजूरी मिलना शेष रह गई थी। यूरोपीय संसद में सांसदों ने ब्रिटेन और ईयू के बीच व्यापार समझौते के लिए हुए मतदान में समझौते के पक्ष में वोट दिया। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन पहले यूरोपीय संघ का सदस्य था, लेकिन वर्ष 2016 में ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग होने का जनमत संग्रह किया गया था।

● असम, मेघालय, मणिपुर सहित पूर्वोत्तर के कई इलाकों में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। भूकंप का सबसे ज्यादा असर असम में रहा। असम में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.4 मापी गई। असम में अधिकारियों ने कहा कि भूकंप के कारण किसी की मृत्यु नहीं हुई है, लेकिन चार जिलों के 10 लोग घायल हुए हैं। भूकंप का केंद्र असम के सोनितपुर में बताया जा रहा है। एनडीआरएफ के अनुसार गुवाहाटी और तेजपुर में भूकंप के कारण इमारतों में दरार पड़ गई साथ ही गुवाहाटी की विद्युत आपूर्ति भी ठप हो गई है। भूकंप का असर पड़ोसी देश भूटान और बांग्लादेश में भी रहा है।

● अफ्रीकी देश सेशेल्स में वैक्सीन लगवा चुके पर्यटकों को घूमने की मंजूरी मिल गई है। सेशेल्स पर्यटन बोर्ड ने कहा कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पर्यटक जो कोरोना वैक्सीनेशन करवा चुके हैं, उन्हें देश में घूमने की इजाजत होगी। हालांकि उन्हें सेशेल्स से आने के लिए वैक्सीनेशन प्रूफ दिखाना होगा साथ ही पर्यटकों को वैक्सीन का दूसरा डोज लिए हुए दो सप्ताह पूर्ण होना जरूरी है। बोर्ड ने कहा कि एशिया में कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

30 अप्रैल

कोरोना मरीजों के लिए अस्थाई अस्पताल बनाएगा एसबीआई

● देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में कोरोना मरीजों के लिए आईसीयू सुविधा वाले अस्थाई अस्पताल बनाएगा। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने बताया कि बैंक ने इस काम के लिए पहले ही 30 करोड़ रुपये की राशि रखी है। एसबीआई इसके लिए गैर-सरकारी संगठनों तथा अस्पताल प्रबंधनों के साथ लगातार संपर्क में है। ये अस्पताल कोरोना मरीजों के इलाज के लिए आपातकालीन आधार पर तैयार किए जायेंगे। एसबीआई के चेयरमैन ने कहा कि उनका बैंक कोरोना प्रभावित राज्यों में 50 आईसीयू विस्तर सुविधा वाले कुल मिलाकर एक हजार विस्तर सुविधा के अस्थाई अस्पताल बनाना चाहता है।

● राष्ट्रीय महिला आयोग ने देशभर में गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक वॉट्सएप हेल्पलाइन नंबर (9354954224) शुरू किया है। आयोग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि आयोग के संज्ञान में यह बात आई है कि कोरोना के कारण अस्पतालों में अफरा-तफरी के कारण गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा सहायता मिलने में कठिनाई पेश आ रही है। इसलिए यह हेल्पलाइन शुरू की गई है। इस हेल्पलाइन के जरिए देशभर की गर्भवती महिलाएं मदद ले सकती हैं।

राज्य वन अनुसंधान संस्थान
कार्यालय संचालक, पॉलीपाथर, जबलपुर -482008
दूरभाष नं. : 0761 2665540, 2666529
ई-मेल : sdfri@rediffmail.com, mpsfri@gmail.com

वन्य प्राणी वैज्ञानिकों की भर्ती हेतु आवेदन प्राप्ति के समय में वृद्धि हेतु विज्ञापन

सूचित किया जाता है कि राज्य वन अनुसंधान संस्थान, पॉलीपाथर, जबलपुर में एस.वी. श्रेणी के वैज्ञानिकों की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। इस विज्ञापन के आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि **दिनांक 30.04.2021 (सायं 05 बजे तक)** रखी गई थी।

वर्तमान में कोविड-19 महामारी के कारण कलेक्टर, जबलपुर द्वारा लागू किये गये कोरोना कर्फ्यू एवं उसकी अवधि में दिनांक 01.05.2021 तक की गई वृद्धि एवं कोरोना द्वारा जनित कठिन परिस्थितियों को देखते हुये आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए **अंतिम तिथि दिनांक 31.05.2021 (सायं 05 बजे तक)** बढ़ाई जाती है।

म.प्र. माध्यम/100650/2021 R-45507 **संचालक**

वर्ष 38, अंक 18 03.05.2021 से 09.05.2021

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है।

रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री का कोविड-19 पर मुख्यमंत्रियों से संवाद

कोरोना की आपदा का सामना करने के लिए देश को एकजुट होना होगा। यह बड़ी विपदा है। ऑक्सीजन की कमी जैसी समस्याएं सामने हैं जिनकी कल्पना नहीं थी। लेकिन हम अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भी एकजुट होकर खड़ा है। इस एकजुटता से ही जन-जन में आत्मविश्वास बनेगा और हम संकट पर विजय पायेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित कोविड-19 पर वर्चुअल संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र ने राज्यों को ऑक्सीजन आवंटित की है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह से लगातार सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ऑक्सीजन परिवहन को डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के अंतर्गत सम्मिलित करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार माना। उन्होंने कहा कि राज्यों को अपने स्तर पर भी ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए प्रयास करने होंगे। वर्चुअल संवाद में मध्यप्रदेश द्वारा ऑक्सीजन के मितव्ययी उपयोग के लिए किए गए प्रयासों की प्रस्तुतिकरण में सराहना हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इंदौर से 2 टैंकर वायुसेना के विमान द्वारा जामनगर भेजे जा रहे हैं। इससे सड़क परिवहन में लगने वाले समय को बचाया जा सकेगा। प्रदेश में ऑक्सीजन बचाने के उद्देश्य से ऑक्सीजन ऑडिट की व्यवस्था की गई है। सभी अस्पतालों को पोर्टल से जोड़ते हुए ऑक्सीजन का मितव्ययी उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। इस व्यवस्था से खंडवा में अनुकरणीय पहल सामने आयी है। जहां पहले 80 सिलेंडर उपयोग में आते थे अब इनकी संख्या घटकर 25 हो गयी है। बीना रिफायनरी में उपलब्ध ऑक्सीजन का उपयोग करने के लिए रिफायनरी के पड़ोस में ही एक हजार बिस्तर का अस्पताल बनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास यह है कि लोग घर पर ही ठीक हों और उन्हें अस्पताल जाने की जरूरत न पड़े। इसके लिए होम आइसोलेशन व्यवस्था में रह रहे मरीजों को डॉक्टर दो बार टेलीफोन से संपर्क करते हैं। मध्यप्रदेश में कोविड सहायता केन्द्र आरंभ किए गए हैं। यहां सर्दी, खाँसी, जुकाम के मरीजों की जांच होगी। उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराकर आइसोलेट किया जा रहा है। कोविड केयर सेंटरों की व्यवस्था को बेहतर बनाते हुए उन्हें अस्पताल के विकल्प के रूप में स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग के संबंध में भारत सरकार की ओर से निश्चित गाइडलाइन जारी होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंजेक्शन सहित सभी महत्वपूर्ण दवाइयों की कालाबाजारी करने पर रासुका के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। अफवाह उड़ाने वालों और कृत्रिम कमी का माहौल बनाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश में जनता ने स्वयं तय कर कोरोना कर्फ्यू क्रियान्वित किया है। गांवों में जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए कर्फ्यू प्रभावी रहा है। प्रदेश में आरंभ हुई इस आत्मअनुशासन की मुहिम से पिछले दिनों पॉजिटिविटी की दर 25 प्रतिशत से नीचे आयी है और स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या भी बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संक्रमण से प्रभावित व्यक्तियों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की जरूरत होगी। राज्य सरकार सेवानिवृत्त हुए चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की सेवाएं लेने के लिए उन्हें संविदा नियुक्ति दे रही है। साथ ही पात्र व्यक्तियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण का संकट बड़ा है, हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर प्रयास करते हुए इस संकट पर विजय प्राप्त करेंगे।

प्रकृति से निकली आवाज सेहत और सुकून देती है

अक्सर कहा जाता है कि बीमार व्यक्ति को प्राकृतिक जगह पर जाना चाहिए। वहां का वातावरण उसे जल्दी स्वस्थ होने में मदद करता है। यह बात एक शोध के जरिए काफी हद तक सच साबित होती है। जंगल की हवा, पेड़ों पर बैठे आपस में बात करते चहचहाते पक्षी, जंगल में बहने वाले झरने और पानी की आवाज, ये कुछ ऐसी आवाजें हैं, जो मनुष्य को सुकून देती हैं, ओटावा में हुए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन में यह पाया गया है कि प्रकृति से जुड़ी हुई आवाजें सुनने से मनुष्य का मूड बेहतर होता है। इससे तनाव भी कम होता है और दर्द में भी राहत मिलती है। इस निष्कर्ष पर पहुंचने वाले शोधकर्ताओं ने 15 से ज्यादा अलग-अलग अध्ययनों की समीक्षा की, उन्होंने प्राकृतिक ध्वनियों से सेहत को होने वाले फायदे का पता लगाया। अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों ने प्रयोगशाला में प्राकृतिक ध्वनियों की आवाज सुनी। इससे प्रतिभागियों में तनाव में कमी दिखी। इनके स्वास्थ्य में भी सुधार परिलक्षित हुआ, झरने और नदियों से आने वाली पानी की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों के स्वास्थ्य में ज्यादा सुधार देखा गया। साइंटिफिक रिपोर्ट में छपे अध्ययन के मुताबिक किसी प्राकृतिक जगह में सप्ताह में सिर्फ 2 घंटे व्यतीत करने से स्वास्थ्य में कई तरह के फायदे परिलक्षित होते हैं।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस | 1 मई

अतुलनीय है जीवन में श्रम का योगदान

दुनिया की सारी संपदा को वास्तव में सोने या चांदी से नहीं बल्कि मजदूरी के द्वारा खरीदा जा सकता है। मशहूर दार्शनिक और अर्थशास्त्री एडम स्मिथ की यह पंक्तियां बताती हैं कि जीवन में श्रम का महत्व इतना ज्यादा है कि उसकी धन से तुलना संभव नहीं है। आज हममें से ज्यादातर लोग अपने दफ्तरों में 9 से पांच की जॉब करते हैं या फिर उसे इसी टाइमिंग में पूरा करना चाहते हैं। यानी 8 घंटे काम करना। यह हमें आसानी से नहीं हासिल हुआ है। इसके लिए मजदूरों ने लंबा संघर्ष किया और यहां तक कि सीने पर गोलियां खायी हैं तब जाकर काम के घंटों का निर्धारण हुआ। इसीलिए प्रतिवर्ष। मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस मनाया जाता है।

अब्राहम लिंकन के ऐतिहासिक भाषण में श्रम को सम्मान

अब्राहम लिंकन के पिता जूते बनाते थे, जब वह राष्ट्रपति चुने गए और सीनेट के समक्ष अपना पहला भाषण देने के लिए खड़े हुए तो एक सीनेटर ने ऊंची आवाज में कहा मिस्टर लिंकन याद रखो कि तुम्हारे पिता मेरे और मेरे परिवार के जूते बनाया करते थे। इसी के साथ सीनेट भद्दे अट्टहास से गूंज उठी, लेकिन लिंकन किसी और ही मिट्टी के बने हुए थे। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है कि मेरे पिता जूते बनाते थे। सिर्फ आपके ही नहीं यहां बैठे कई माननीयों के जूते उन्होंने बनाए होंगे। वह पूरे मनोयोग से जूते बनाते थे। उनके बनाए जूतों में उनकी आत्मा बसती है। अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पण के कारण उनके बनाए जूतों में कभी कोई शिकायत नहीं आई। क्या आपको उनके काम से कोई शिकायत है, उनका पुत्र होने के नाते मैं स्वयं भी जूते बना लेता हूं और यदि आपको कोई शिकायत है तो मैं उनके बनाए जूतों की मरम्मत कर देता हूं। मुझे अपने पिता और उनके काम पर गर्व है। सीनेट में उनके इस तर्कवादी भाषण ने सबको मौन कर दिया और यह भाषण अमेरिकी सीनेट के इतिहास में बहुत बेहतरीन भाषण में से एक है। उसी भाषण से एक थ्योरी निकली Dignity Of Labour (श्रम का महत्व) इसका यह असर हुआ की जितने भी कामगार थे, उन्होंने अपने पेशे को अपना सरनेम बना दिया। जैसे कोब्लर, शूमेकर, बुचर, टेलर, स्मिथ, कारपेंटर, पॉटर आदि। लिंकन के जीवन का यह किस्सा बताता है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता है और हमें अपने जीवन में श्रम को सम्मान देना चाहिए।

विश्व मजदूर दिवस का इतिहास

दुनिया में मजदूर दिवस की शुरुआत अमेरिका से हुई। 1 मई 1886 को अमेरिका के शिकागो नामक शहर में उन्होंने पूंजीवादी शोषण और मजदूरी गुलामी के खिलाफ कारखानों में हड़ताल करके हजारों की संख्या में जुलूस निकालकर सफेद रंग का झंडा और काम करने के आठ घंटे का नारा दिया। कारखानों के मालिकों तथा मजदूरों का आंदोलन आश्चर्य की बात थी। आंदोलन को खत्म करने के लिए मजदूरों पर गोली चलवा दी गई। कई मजदूर शहीद हो गए। जब कोई सफेद झण्डा लिए मजदूर गोली का शिकार होता तो उसकी जगह दूसरा मजदूर उस झण्डे को थाम लेता। मजदूरों का यह बलिदान कारगर रहा। उनकी कुर्बानी के सामने कारखानों के मालिकों को झुकना पड़ा तथा आठ घंटे का कार्य दिवस निश्चित हुआ। तभी से इन शहीदों की याद में एक मई का दिन विश्व इतिहास में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे मई दिवस या फिर इंटरनेशनल वर्कर्स डे के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया के कई देशों में इस दिन शासकीय अवकाश रहता है। शिकागो के आंदोलन से प्रेरित होकर संपूर्ण विश्व में इसी तरह के श्रमिकों के आंदोलन और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इस तरह 1 मई को पूरी दुनिया में मजदूरों के अधिकार के लिए समर्पित दिन के रूप में पहचान मिल गई।

दुनिया के ज्यादातर देशों में मई दिवस 1 मई को मनाया जाता है, लेकिन यूनाइटेड किंगडम और आयरलैंड में यह अवकाश मई के पहले सोमवार को रहता है। कनाडा में अमेरिका की तरह मजदूर दिवस सितम्बर के पहले सोमवार को ही मनाया जाता है। उस दिन सरकारी छुट्टी भी होती है। ब्रिटेन में मजदूर दिवस मई के प्रथम रविवार को मनाया जाता है। लंदन में मजदूर रैलियों का आयोजन वहां के प्रसिद्ध हाइड पार्क में होता है। कम्युनिस्ट देशों में जहां एक मई को सार्वजनिक छुट्टी होती है वहीं रूस में इस दिन मॉस्को के रेड स्क्वॉयर में एक विशाल रैली होती है। हमारे देश में भी। मई को ही मजदूर दिवस मनाने की परंपरा है। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और नीदरलैंड में यह अलग-अलग तारीखों में सेलिब्रेट होता है।

अमेरिका में कामगारों के संगठन की परंपरा पुरानी है

अमेरिका में मजदूर इस बात को जल्दी समझ गए कि उनकी ताकत उनकी संख्या में ही है। इसलिए 18वें दशक में ही अमेरिका ट्रेड यूनियनों का विस्तार होना शुरू हो गया। यहां बुनकर, बुक बाइन्डर, दर्जी, जूते बनाने वाले कारीगर, फैक्ट्री आदि में काम करने वाले पुरुष तथा महिला मज़दूरों के संगठन शामिल थे। 1836 में कई सिटी इंटर ट्रेड यूनियन एसोसिएशन थीं जिसमें जनरल ट्रेड यूनियन ऑफ न्यूयॉर्क भी शामिल था, जो अति सक्रिय थी। इसके पास स्थाई स्ट्राइक फंड भी थे तथा एक अखबार भी निकाला जाता था। दैनिक काम के घंटे घटाने के लिए किया गया संघर्ष अति आरंभिक तथा प्रभावशाली संघर्षों में एक था, जिसमें अमेरिकी मजदूरों का योगदान था। इंग्लैंड के वर्किंग मेन्स एसोसिएशन ने सन् 1832 में काम के घंटे घटाकर 10 घंटे प्रतिदिन के संघर्ष की शुरुआत की।

मजदूरों ने शुरू किया चुनावों में हिस्सा लेना

प्रथम मजदूर राजनीतिक पार्टी सन् 1828 ई. में फिलाडेल्फिया अमेरिका में बनी थी। इसके बाद ही 6 वर्षों में 60 से अधिक शहरों में मजदूर राजनीतिक पार्टियों का गठन हुआ। इनकी मांगों में राजनीतिक सामाजिक मुद्दे जैसे- 10 घंटे का कार्य दिवस, बच्चों की शिक्षा आदि शामिल थे। मजदूर पार्टियों ने नगर पालिकाओं तथा विधानसभा चुनाव में भी हिस्सा लेकर जीत हासिल की।

भारत में मई दिवस

हमारे देश में वैसे तो परंपरागत तौर पर विश्वकर्मा जयंती के दिन मजदूर दिवस मनाने की परंपरा है, इस दिन मशीनों का पूजन भी किया जाता है। भारत में मई दिवस यानी अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1923 ई. में पहली बार मनाया गया था। भारत में प्रभावशाली ट्रेड यूनियन और मजदूर वर्ग के नेता सिंगारवेलू चेट्टियार थे, उन्होंने अप्रैल 1923 में भारत में मई दिवस मनाने का सुझाव दिया था, क्योंकि दुनिया भर के मजदूर इसे मनाते थे। उन्होंने कहा कि सारे देश में इस अवसर पर मीटिंग्स होनी चाहिए। मद्रास में मई दिवस मनाने की अपील की गई। इस अवसर पर वहां जनसभाएं भी आयोजित की गईं तथा जुलूस निकाले गए। सिंगारवेलू ने इस दिन मजदूर किसान पार्टी की स्थापना की घोषणा की तथा उसके घोषणा पत्र पर प्रकाश डाला। कई नेताओं ने भी बैठकों में भाग लिया। सिंगारवेलू ने हाईकार्ट बीच की बैठक की अध्यक्षता की। उनकी दूसरी बैठक की अध्यक्षता एसएन् कृष्णास्वामी ने की तथा पार्टी का घोषणा पत्र पीएस वेलायुथम द्वारा पढ़ा गया। इन सभी बैठकों की रिपोर्ट कई दैनिक समाचार पत्रों में छपी। मॉस्को से छपने वाले वैनगार्ड ने इसे भारत में पहला मई दिवस बताया। फिर दोबारा 1927 में सिंगारवेलू की पहल पर मई दिवस मनाया गया। वर्तमान समय में मजदूरों के हित के लिए विभिन्न गैर सामाजिक संगठन भी कार्य करते हैं।

वह तोड़ती पत्थर
देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार
श्याम तन भर बंधा यौवन
नत नयन प्रिय कर्म रत मन
गुरु हथौड़ा हाथ
करती बार-बार प्रहार।

एक श्रम करती हुई स्त्री को देखकर हिंदी साहित्य के प्रमुख स्तंभ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की यह पंक्तियां अमर हैं, लेकिन यह भी एक सच है कि समान रूप से कार्य करने के बावजूद स्त्रियों को समान वेतन नहीं दिया जाता है। उनके साथ आर्थिक आधार पर भी लैंगिक भेदभाव आज भी जारी है। वर्ष 2020 की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के अनुसार भारत साल 2018 के 108वें पायदान से 112वें पर आ गया है। यह रिपोर्ट बताती है कि विश्व में राजनीतिक, आर्थिक, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त लैंगिक असमानताओं को खत्म करने में 100 साल तक लग सकते हैं। आर्थिक भागीदारी और अवसर के मामले में भी महिलाओं की सहभागिता अपेक्षाकृत कम है। 15-64 साल के अधिकतर वयस्क पुरुष किसी ना किसी रूप में कार्यरत हैं। वहीं, महिलाएं पिछड़ती नज़र आ रही हैं। महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों की बात करें तो दुनिया के कई देशों में महिलाओं की स्थिति काफी चिंताजनक है। समान काम के लिए महिलाओं और पुरुषों के वेतन में काफी अन्तर है। अवैतनिक कार्यों यानी अनपेड पेयर वर्क में महिलाओं का पुरुषों की तुलना में हमेशा ही अधिक योगदान रहा है, लेकिन वैतनिक कामों में लिंग के आधार पर भेदभाव होने से महिलाओं की आर्थिक स्वाधीनता दायरे में बंध जाती हैं। यह प्रवृत्ति केवल अकुशल श्रमिकों में ही नहीं, वॉलीवुड से लेकर कॉरपोरेट दुनिया और खेल के मैदान तक में है। विश्व में लैंगिक असमानता बहुआयामी है। यहां धन, आय, उसकी खपत, सामाजिक और क्षेत्रीय भेदभाव के आधार पर अवसर में भिन्नता और असमानताओं का विकृत रूप नजर आता है, जिसे खत्म करने की जरूरत है।

सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान
All India Institute of Speech and Hearing
(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थान)
नैमिषम कैम्पस, मानसगंगोत्री, मैसूरू-570006, कर्नाटक
वेबसाइट / Website : www.aiishmysore.in

एन ए ए सी द्वारा "ए" ग्रेड के साथ प्रत्यायित एवं मूल्यांकन — आई एस ओ 9000 : 2015 प्रमाणित संस्थान

प्रवेश: 2021-22

निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है:

I. AIISH ऑनलाइन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम पर आधारित**

आवेदन शुल्क: ₹ 900 (₹ 700 एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी)

क्र. सं.	कार्यक्रम प्रदत्त	सीट-संख्या	अवधि
1.	बी.एएसएलपी	68	04 वर्ष
*विदेश में पढ़े हुए छात्रों के लिए कोई प्रवेश परीक्षा नहीं है तथा चयन अर्हक परीक्षा के मेरिट पर आधारित है। हालांकि आनलाइन आवेदन उम्मीदवारों द्वारा जमा करना है।			
2.	एम. एससी.(ऑडियोलॉजी)	40	02 वर्ष
3.	एम.एससी.(स्पीच-लैंगवेज पैथोलॉजी)	40	02 वर्ष

II. ऑफलाइन प्रवेश/गैर – प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रम

आवेदन शुल्क : ₹ 600 (₹ 400 एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी)

क्र. सं.	कार्यक्रम प्रदत्त	सीट संख्या	अवधि
4.	एम.एड. विशेष शिक्षा (हियरिंग इम्पेयरमेंट)# $	22	02 वर्ष
5.	बी.एड. विशेष शिक्षा (हियरिंग इम्पेयरमेंट)	22	02 वर्ष
6.	पी.जी. डिप्लोमा इन क्लिनिकल लिंग्वस्टिक्स फॉर स्पीच लैंगवेज पैथोलॉजी (PGDCLSP)$	12	01 वर्ष
7.	पी.जी. डिप्लोमा इन फोरेंसिक स्पीच साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी (PGDFSST)$	12	01 वर्ष
8.	पी.जी. डिप्लोमा इन ऑग्मेंटेटिव एंड आल्टरनेटिव कम्युनिकेशन(PGDAAC)$	22	01 वर्ष
9.	पीजी डिप्लोमा इन ऑडिटरी वर्बल थेरेपी (AVT)$	12	01 वर्ष

#प्रवेश परीक्षा पेपर पेंसिल मोड में AIISH में आयोजित की जाएगी।
$पाठ्यक्रम सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन के अधीन है।

III. RCI प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रम***

क्र. सं.	कार्यक्रम प्रदत्त	सीट संख्या	अवधि
10.	डिप्लोमा इन हियरिंग एड एंड ईयर मोल्ड टेक्नोलॉजी (DHA & ET)	28	01 वर्ष
11.	डिप्लोमा इन एर्ली चायल्डहुड स्पेशल एजुकेशन (हियरिंग इम्पेयरमेंट)	28	01 वर्ष
12.	श्रवण, भाषा व वाक् में डिप्लोमा (DHLS)	28 (प्रत्येक अध्ययन केंद्र के लिए)	01 वर्ष

**ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा की तिथि हमारी वेबसाइट पर सूचित की जाएगी।
***चयन आरसीआई प्रवेश परीक्षा की योग्यता के आधार पर होगा। प्रवेश की अंतिम तिथि सहित अधिक जानकारी के लिए हमारे संस्थान की वेबसाईट www.rehab.nic.in देखें।

नोट:

1. AIISH ऑनलाइन प्रवेश आधारित कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10.06.2021 (23.59.59 बजे) है। संस्थान केवल B.SLP, M.Sc. (ऑडियोलॉजी/स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजी)के लिए ऑनलाइन आवेदन की मांग की है। उम्मीदवार ऑनलाइन जमा करने के संबंध में विवरण के लिए संस्थान की वेबसाइट: www.aiishmysore.in पर देखें।
2. अन्य सभी पाठ्यक्रमों के लिए, आवेदन पत्र संस्थान की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरकर हस्ताक्षरित आवेदन की हार्डकॉपी डाक के माध्यम से निदेशक, अखिल भारतीय वाक् श्रवणसंस्थान, मानसगंगोत्री, मैसूरु – 570 006, कर्नाटक को 20.07.2021 को शाम 5.00 बजे या उससे पहले भेजी जानी चाहिए।
3. सभी पाठ्यक्रमों के लिए, सीटों की संख्या सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन के अधीन हैं।

अधिक जानकारी के लिए www.aiishmysore.in पर प्रॉस्पेक्टस 2021-22 देखें।
ऑनलाइन जमा करने के लिए तकनीकी पूछताछ: फोन: 0821-2502206 / 2502212
पाठ्यक्रम संबंधित पूछताछ के लिए: फोन: 0821-2502228 / 2594/2163/2168
ई-मेल: aiish.academic@iishmysore.in/ admissions@aiishmysore.in

दिनांक: 26.04.2021

हस्ताक्षर/-
निदेशक

कोविड संक्रमण दर कम करने के प्रयास सख्ती से लागू हों - मुख्यमंत्री

किल कोरोना-2 अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी

भोपाल, मध्यप्रदेश में कोविड संक्रमण दर को कम करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए जरूरी प्रयासों को पूरी सख्ती के साथ लागू किया जाए। जनता कर्फ्यू का कड़ाई से पालन किया जाए। जिन क्षेत्रों में संक्रमण अधिक हो वहां माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्रों का निर्धारण कर संक्रमण को फैलने से रोका जाए। सघन सर्वेक्षण करा कर रोगियों को चिन्हित कर दवाई वितरण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने और अनावश्यक आवागमन को रोकने के कार्य कड़ाई के साथ किए जाएं। ऐसा करने से संक्रमण दर को नियंत्रित किया जा सकता है। संक्रमण दर में कमी से संक्रमित रोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी जिलों के कोविड नियंत्रण के प्रभारी मंत्रियों और अधिकारियों के साथ वैठक के दौरान कहीं।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रभारी मंत्रियों से कहा कि होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से नियमित समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के वैज्ञानिक तरीके से उचित उपयोग की व्यवस्थाओं के लिए ऑक्सीजन ऑडिट संबंधित जिले के प्रभारी अधिकारी करायें। इससे ऑक्सीजन की अनावश्यक खपत में कमी होगी और जरूरतमंद के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता में वृद्धि होगी। उन्होंने ऑक्सीजन के युक्तियुक्त उपयोग पर जोर देते हुए स्टेपडाउन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस रोगी को हाई फ्लो की जरूरत हो उसे वह दी जाए। जब सुधार हो जाए और लो फ्लो की आवश्यकता रहे तो उसे हाई से स्टेप डाउन कर लो फ्लो पर किया जाए। इस स्थिति में सुधार के साथ ही उसे सामान्य में स्टेप डाउन करने से ऑक्सीजन की खपत कम होती है।

श्री चौहान ने कहा कि लोगों के जीवन रक्षा के लिए संक्रमण फैलाने वाले कार्यों पर सख्ती के साथ रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि शादी-विवाह कार्यक्रमों में 10 से अधिक व्यक्तियों को अनुमति नहीं दी जाए। क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों में काफी समय तक लोग साथ रहते हैं और संक्रमण फैलने की संभावना बहुत तेजी से बढ़ जाती है। उन्होंने प्रभारी मंत्रीगणों को होम आइसोलेशन में रहने वाले संक्रमितों को सकारात्मक वॉयस मैसेज भेजने और कोरोना विजेताओं के साथ दूरभाष पर चर्चा की व्यवस्था कराने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि संक्रमित मरीज के साथ परिजन बड़ी संख्या में नहीं आने चाहिए। कोविड वार्ड में परिजन नहीं रहें इसका कड़ाई से पालन कराया जाए। परिजनों को अस्पताल से थोड़ी दूर बैठने की व्यवस्थाएं एवं रोगियों के साथ मोबाइल फोन पर चर्चा की व्यवस्थाएं की जा सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किल कोरोना अभियान-दो का प्रभावी संचालन किया जाये। घर-घर सर्वेक्षण कर सर्दी और जुकाम के प्रकरणों की खोज की जाए। प्रकरण मिलने पर जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा किए बिना दवाई और होम आइसोलेशन की व्यवस्था की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि होम आइसोलेशन की उचित व्यवस्था नहीं होने पर संक्रमित व्यक्ति को कोविड केयर सेंटर में लाया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में क्वारेंटाइन सेंटर बनाने के निर्देश दिए। सेंटर पर प्रभावी रूप से बुनियादी इंतजाम किए जायें। सरकार द्वारा व्यय भार का वहन किया जाएगा। बाहर से आने वाले व्यक्तियों की जाँच और क्वारेंटाइन सेंटर में रखने की व्यवस्था का कड़ाई से पालन हो। श्री चौहान ने कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून रासुका के तहत कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की आपूर्ति को बढ़ाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ऑक्सीजन की अधिक से अधिक मात्रा प्राप्त करने के लिए हर संभव कार्य और उच्च स्तरीय गहन मॉनीटरिंग भी की जा रही है। प्राप्त ऑक्सीजन की मात्रा का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि संक्रमण नियंत्रण के अल्पकालिक प्रयास संक्रमण की दर में कमी लाएंगे। इसका स्थायी समाधान वैक्सीनेशन ही है।

वायु, रेल और सड़क मार्ग से की जा रही है ऑक्सीजन की आपूर्ति

भोपाल, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया है कि सरकार के अथक प्रयासों से संक्रमण की दर में कमी आनी शुरू हो गई है। प्रदेश के 8 जिलों में संक्रमण की दर में कमी दर्ज की गई है, वहीं 36 जिले ऐसे हैं, जिनमें संक्रमण की दर स्थिर होने की स्थिति में आ गई है। डॉ. मिश्रा ने बताया है कि ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आने लगे हैं। सरकार ऑक्सीजन की आपूर्ति वायुमार्ग, रेलमार्ग और सड़क मार्ग से भारत सरकार की मदद से कर रही है। ऑक्सीजन उत्पादन के लिए स्वीकृत 8 प्लान्टों में से 7 प्लान्ट पूर्ण हो गए हैं, जिसमें से 6 में उत्पादन भी प्रारंभ हो गया है। उल्लेखनीय है कि रिकवरी की प्रदेश में दर भी लगभग 85 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि देश में 533 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त होने की संभावना है। ऑक्सीजन की आपूर्ति का यह सिलसिला आगामी एक मई तक लगातार जारी रहेगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि 2 हजार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी राज्य सरकार द्वारा खरीद लिए गए हैं। इसके अतिरिक्त 34 जिलों में स्थानीय व्यवस्था कर एक हजार से अधिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपयोग में लाए जा रहे हैं।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में 58 नए स्थानीय स्तर पर ऑक्सीजन उत्पादन प्लान्ट स्वीकृत किए गए हैं। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 8, मुख्यमंत्री राहत कोष से 5, राज्य सरकार द्वारा 45 स्थानीय स्तर पर ऑक्सीजन उत्पादन प्लान्ट्स स्थापना कार्य प्रगति पर है। स्वीकृत प्लान्ट्स में से भारत सरकार के 7 प्लान्ट पूर्ण हो गए हैं, 6 प्लान्ट में उत्पादन प्रारंभ हो गया है। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत प्लान्टों में से 22 प्लान्ट मई माह के द्वितीय पखवाड़े में पूर्ण होकर क्रियाशील हो जायेंगे। जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में 15 ऑक्सीजन प्लान्ट क्रियाशील हो जायेंगे।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में नई ऑक्सीजन लाइन बिछाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। प्रथम चरण में 42 जिलों के जिला चिकित्सालयों में 2,302 बिस्तरों के लिए ऑक्सीजन पाइप-लाइन बिछाने और द्वितीय चरण में 51 जिलों की सी.एच.सी. के 4,643 बिस्तरों के लिए लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है।

कोविड योद्धाओं की मृत्यु पर दें 50 लाख रुपये की राशि

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना में नगरीय निकाय के सभी सफाई कर्मचारियों को शामिल किया गया है। इसके साथ ही अन्य अधिकारी/कर्मचारी जो कोविड-19 महामारी के लिए सेवाएं दे रहे हैं, को भी शामिल किया गया है। श्री सिंह ने कहा है कि इन कर्मचारियों की कोविड-19 के कारण अथवा कोविड-19 से संबंधित सेवा के दौरान दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु पर उनके निकटतम परिजन को 50 लाख रुपये राज्य शासन द्वारा दिए जाएंगे।

नगरीय विकास मंत्री श्री सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने अधीनस्थ नगरीय निकाय के किसी भी पात्र कर्मचारी की इन परिस्थितियों में मृत्यु होती है तो नियमानुसार दावेदार का दावा प्रस्तुत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि समय-सीमा में उन्हें 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

प्रधानमंत्री ने वितरित किये राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 प्रदान करने और स्वामित्व योजना के अंतर्गत ई-संपत्ति कार्डों के वितरण के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान निवास से वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 के अंतर्गत पुरस्कार प्राप्त पंचायतों के बैंक खातों में पुरस्कार की राशि अनुदान सहायता के रूप में सिंगल क्लिक से हस्तांतरित की। कार्यक्रम में 224 पंचायतों को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार, 30 ग्राम पंचायतों को नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार, 29 ग्राम पंचायतों को ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार, 30 ग्राम पंचायतों को बच्चों के अनुकूल ग्राम पंचायत पुरस्कार और 12 राज्यों को ई-पंचायत पुरस्कार प्रदान किये गये। देश में स्वामित्व योजना के कार्यान्वयन की शुरुआत करते हुए 5 हजार से अधिक गाँवों के चार लाख से अधिक संपत्ति मालिकों को उनके ई-संपत्ति कार्ड सिंग्ल क्लिक से जारी किये।

प्रदेश के 1399 ग्रामों के भू-खण्ड धारकों को अधिकार अभिलेख जारी

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश के 1399 ग्रामों के भू-खण्ड धारकों को प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप से अधिकार अभिलेख जारी करने के लिए आभार माना। स्वामित्व योजना के अंतर्गत भारत सरकार की सर्वेक्षण इकाई सर्वे ऑफ इंडिया की सहायता से ग्रामों में बसाहट क्षेत्र पर ड्रोन से नक्शों का निर्माण तथा इस आधार पर डोर-टू-डोर सर्वे के आधार पर अधिकार अभिलेखों का निर्माण किया जा रहा है। अधिकार अभिलेख से प्रत्येक संपत्तिधारक को संपत्ति का प्रमाण-पत्र और भू-स्वामित्व प्राप्त होगा। इससे मकान पर बैंक से कर्ज लेना सरल होगा। इस अभियान से सार्वजनिक उपयोग की संपत्ति जैसे रास्ते, विद्यालय, खेल मैदान, पंचायत भूमि, निस्तार भूमि का संरक्षण होगा और उनकी सीमाएं निश्चित होंगी।

प्रदेश की पंचायतों को मिले पुरस्कार

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के अंतर्गत प्रदेश में दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार श्रेणी में जिला पंचायत बैतूल, जनपद पंचायत जावरा तथा सीहोर, ग्राम पंचायत पवार चौहान (सीधी), जेतापुर कला तथा सौनगांव खुर्द (खण्डवा), डोडाका (उमरिया), भैसोदा (भोपाल), मेहतवाड़ (सीहोर), सावन (नीमच), सीहोदा तथा बिलखारवा (जबलपुर), बघवारी (सीधी) और कुंडा (धार) को पुरस्कार राशि जारी की गई। नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार ग्राम पंचायत निपानियासुखा (भोपाल) को ग्राम पंचायत विकास पुरस्कार शिवपुर (होशंगाबाद) को तथा बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार पंवार चौहान (सीधी) को मिला।

ऑक्सीजन आपूर्ति राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कोरोना की रोकथाम के संबंध में कोर ग्रुप की बैठक को संबोधित करते हुए।

भोपाल, कोविड संक्रमण के प्रबंधन में ऑक्सीजन आपूर्ति सुनिश्चित करना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में जनता कर्फ्यू का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। पॉजिटिविटी रेट स्थिर हुआ है। जिला स्तर पर अब अधिक संक्रमण वाले क्षेत्रों को चिंहित करने की आवश्यकता है। शहरों, ग्रामों में जिन क्षेत्रों में संक्रमण अधिक है उनका अध्ययन कर माइक्रो स्तर पर संक्रमण नियंत्रण के लिए रणनीति विकसित करनी होगी। इन क्षेत्रों को माइक्रो कंटेनमेंट एरिया बनाकर संक्रमण को फैलने से रोकने और इसे समाप्त करने के प्रयास किये जायें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कोविड 19 की रोकथाम और व्यवस्थाओं के संबंध में कोरोना नियंत्रण कोर ग्रुप की वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

भोपाल और ग्वालियर के लिए भी ऑक्सीजन एयर रूट

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। केन्द्रीय रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल से चर्चा में यह तय हुआ है कि रेल मंत्रालय मध्यप्रदेश को भोपाल के लिए ऑक्सीजन ट्रेन प्रदान करेगा। यह ट्रेन बोकारो से रांची होते हुए भोपाल आयेगी। जिसमें ऑक्सीजन के भरे टैंकर मध्यप्रदेश लाये जायेंगे। इंदौर-जामनगर एयर रूट के बाद अब ग्वालियर-रांची और भोपाल-रांची एयर रूट से ऑक्सीजन की सप्लाई मध्यप्रदेश को की जायेगी। मध्यप्रदेश से खाली ऑक्सीजन सिलेंडर वायु सेना के विमान से भोपाल और ग्वालियर से रांची जायेंगे और वहां से सड़क मार्ग से भरे टैंकर वापस आयेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाइट्रोजन टैंकर को ऑक्सीजन के लिए कंवर्ट करने और ट्रेन पर टैंकर लाने के लिए आवश्यक व्यवस्था की संभावनाओं पर भी कार्य किया जाये।

कोविड केयर सेंटरों की कार्य-प्रणाली का नियमित आकलन हो

श्री चौहान ने कहा कि होम आइसोलेशन में रह रहे व्यक्तियों की स्थिति उन्हें दवा और सलाह मिलने के क्रम आदि पर प्रभारी मंत्री और ओआईसी विशेष ध्यान दें। होम आइसोलेशन में ही मरीजों को स्वस्थ्य करने का हर संभव प्रयास किया जाये। कोविड केयर सेंटरों की व्यवस्था की समीक्षा में बताया गया कि 155 कोविड केयर सेंटर में 9 हजार 41 आइसोलेशन बेड और 32 केंद्रों में 618 ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड केयर सेंटरों की सेवाओं का आकलन वहां उपलब्ध चिकित्सा अधोसंरचना, इलाज, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था और मरीजों के फीडबैक के आधार पर किया जायेगा।

492 निजी अस्पतालों में रेट लिस्ट प्रदर्शित

प्रदेश के 497 निजी कोविड चिकित्सालयों में से 492 चिकित्सालयों में बिस्तरों की स्थिति और रेट लिस्ट प्रदर्शित की जा रही है। शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में 49 हजार 660 बिस्तरों की क्षमता विकसित की गई है। मेडिकल किट वितरण का कार्य लगातार जारी है।

एम्स में आईसीयू के सौ बिस्तर बढ़ेंगे

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने जानकारी दी कि भोपाल में एम्स में आईसीयू के सौ बिस्तर बढ़ाये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न संगठनों के सहयोग से 2 हजार बिस्तरों की व्यवस्था की जा रही है।

कोरोना वॉलेंटियर योजना में एक लाख से ज्यादा वॉलेंटियर्स ने करवाया पंजीयन

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आव्हान पर प्रदेश में अब तक एक लाख पांच हजार से अधिक वॉलेंटियर्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। ये कोरोना वॉलेंटियर्स राज्य सरकार के सहयोगी बन कर कोरोना के प्रति जन-जागरूकता का प्रभावी कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 5 अप्रैल 2021 को 'मैं कोरोना वॉलेंटियर' योजना प्रारंभ कर समाज सेवी संस्थाओं से आह्वान किया था कि कोरोना संक्रमण को रोकने एवं समाज में जन-जागरूकता लाने के लिये सहभागी बनें। प्रदेश के सभी 52 जिलों से कोरोना वॉलेंटियर बनने के लिए लोग उत्साह से आगे आए हैं। ये वॉलेंटियर जन अभियान परिषद् के नेतृत्व और कलेक्टर के मार्गदर्शन में वैक्सीनेशन, मास्क जागरूकता, चिकित्सा सुविधा और होम आइसोलेशन जैसे कार्यों में प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं।

मंदसौर के वॉलेंटियर्स

मंदसौर जिले में 100 से अधिक महिला वॉलेंटियर्स मिलकर टीकाकरण, मास्क वितरण, पोस्टर वितरण, सेनेटाइजर वितरण तथा दुकानों पर फ्लेक्स और बैनर लगवाने का काम निरन्तर कर रही हैं।

छिंदवाड़ा जिले में कोरोना वॉलेंटियर्स गांव-गांव और घर-घर जाकर होम आइसोलेशन के मरीजों को कोरोना-किट उपलब्ध करवा रही हैं। महिला वॉलेंटियर्स द्वारा स्वयं पहल कर गांव में नया टीकाकरण केंद्र बनाया गया। मृत कोविड मरीजों के प्रोटोकॉल अनुसार दाह-संस्कार कार्य में भी महिला वॉलेंटियर्स सहयोग कर रही हैं।

धार के वॉलेंटियर्स

धार जिले में कोरोना वॉलेंटियर्स ने अपने स्वयं के व्यय से पूरे ग्राम में दो दिन तक सेनेटाइजर का छिड़काव और 500 से भी ज्यादा मास्क वितरित किये। इसके अलावा टीकाकरण कार्य, जन-जागरूकता के लिए पोस्टर वितरण और नारे लेखन जैसे कार्य गांव-गांव जाकर किये जा रहे हैं, जिससे गांव संक्रमण से बचे रहें।

राजगढ़ के वॉलेंटियर्स कर रहे हैं मास्क वितरण

राजगढ़ जिले में कोरोना वॉलेंटियर्स शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 हजार से अधिक मास्क का वितरण कर चुके हैं। साथ ही 12 हजार से अधिक लोगों के टीकाकरण में भी सहयोग किया है। जिले में 'पहला-टास्क-मुंह पर मास्क' नारे के साथ रोका-टोकी की जा रही है ताकि कोई भी बिना मास्क के घर से बाहर न निकले।

बंदियों को मिलेगा 60 दिन का पैरोल

भोपाल, महानिदेशक, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं श्री अरविंद कुमार ने बताया है कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से उत्पन्न परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए बंदियों के लिये 60 दिवस की आपात छुट्टी स्वीकृत करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया है कि आपात छुट्टी की अवधि की गणना बंदी के कुल दण्डादेश की अवधि में सम्मिलित की जायेगी। श्री अरविंद कुमार ने बताया है कि इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये हैं।

श्री अरविंद कुमार ने बताया है कि पूर्व से स्वीकृत सामान्य छुट्टी का लाभ ले रहे ऐसे बंदियों को, जिन्होंने पैरोल शर्तों का पूर्णतः पालन किया है, उन्हें सामान्य छुट्टी के लिये प्रस्तुत जमानतनामा एवं बंधपत्र पर ही 60 दिवस की आपात छुट्टी स्वीकृत की जायेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

ऑक्सीजन टैंकरों के निर्बाध परिवहन की सभी स्तरों से हो मॉनीटरिंग

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की स्थिति के संबंध में चर्चा करते हुए।

भोपाल, ऑक्सीजन टैंकरों का निर्बाध परिवहन सुनिश्चित किया जाए। सभी स्तरों पर इसकी गहन मॉनीटरिंग की जाए। बैकअप की भी व्यवस्था सुनिश्चित हो। होम आइसोलेशन की व्यवस्था को प्रभावी बनाकर चिकित्सालयों पर दबाव को कम किया जा सकता है। कोविड केयर सेंटरों से चिकित्सालयों में स्थानांतरित किए गए रोगियों के संबंध में जानकारी संकलित कर उसके अध्ययन के आधार पर आवश्यक सुधार किए जाएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर ग्रुप की बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

कोरोना कर्फ्यू कारगर साबित हो रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में कोरोना कर्फ्यू कारगर सावित हो रहा है। विगत दस दिनों से प्रकरणों की संख्या लगभग स्थिर है। जनता द्वारा कोरोना कर्फ्यू के प्रभावी क्रियान्वयन से यह संभव हुआ है। छिंदवाड़ा, बुरहानपुर और खण्डवा जैसे जिलों में संक्रमण नियंत्रण के प्रभावी प्रयास हुए हैं। उन्होंने इस दिशा में सतत् प्रयासों की जरूरत बताई।

ग्रामीण अंचल में मेडिकल किट का डोर टू डोर वितरण

मुख्यमंत्री को बैठक में बताया गया कि ग्रामीण अंचल और शहरी क्षेत्रों में होम आइसोलशन में रह रहे संक्रमितों के साथ दुरभाष पर सतत् सम्पर्क किया जा रहा है। ग्रामीण, शहरी अंचलों में मेडिकल किट वितरण किया जा रहा है। ग्रामीण अंचल में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा डोर टू डोर आधार पर किट का वितरण किया गया है। सभी ग्राम पंचायतों में कोविड केयर सेंटर बनाए गए हैं। उनको हेल्पलाइन से भी जोड़ा गया है।

कोविड केयर सेंटरों में 523 ऑक्सीजन बेड की हुई व्यवस्था

प्रदेश में 8 हजार 472 कोविड केयर सेंटर कार्यरत हैं। उनमें ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था भी की जा रही है। अभी तक 523 बेड तैयार हो गए हैं, जिनमें 56 प्रतिशत भरे हुए हैं। इंदौर में राधास्वामी सत्संग द्वारा जन-सहयोग से आई.सी.यू. बेड का निर्माण कार्य तेज गति से किया जा रहा है। बीना में एक हजार बिस्तर के अस्पताल निर्माण का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। चिकित्सालय की ऑक्सीजन आवश्यकता के अतिरिक्त करीब 80 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की व्यवस्था भी की जा रही है।

कोविड केयर सेंटर से मेडिकल बैकअप

भोपाल जिले में मेडिकल बैकअप उपलब्ध कराने के लिए 500 बिस्तर के कोविड केयर सेंटर के माध्यम से प्रयास किए गए हैं। इस सेंटर में दो चिकित्सकों और छह नर्सों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त विभिन्न समाजों द्वारा भी कोविड केयर सेंटर बनाए जा रहे हैं। काटजू चिकित्सालय को सुपर स्पेशलिटी कोविड केयर सेंटर बनाने का कार्य भी तेज गति से प्रगतिरत हैं।

शहीद कोराना योद्धा के परिजन को मिलेगी अनुकम्पा नियुक्ति और अनुग्रह राशि

भोपाल, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि पुलिस के जवानों और परिजनों का अधिक से अधिक वैक्सीनेशन कराया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिये वैक्सीनेशन शिविर लगाये जायें। उन्होंने कहा कि कोरोना की इस जंग में शहीद होने वाले कोरोना योद्धाओं के परिजन को अनुकम्पा नियुक्ति दी जायेगी। परिजनों को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि भी प्रदान की जायेगी। इसके अतिरिक्त पुलिस के सेंट्रल वेलफेयर फण्ड से एक लाख रुपये की सहायता राशि भी उपलब्ध कराई जायेगी। डॉ. मिश्रा पुलिस कंट्रोल रूम इंदौर में कोविड-19 के संबंध में पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे।

डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि फील्ड में कार्य कर रहे जवानों के कोरोना संक्रमित होने पर अस्पतालों से समन्वय कर उन्हें उपचार के लिये भर्ती कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमें हर हाल में कोरोना से जंग को जीतना है। सभी को अपना मनोबल ऊंचा रखना है और फील्ड में कार्य कर रहे जवानों की निरंतर हौसला अफजाई करते रहना है। डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी को भी किसी भी प्रकार की दिक्कत है, तो उन्हें तत्काल अवगत कराया जाना सुनिश्चित करें, ताकि आवश्यक प्रबंध कर समस्याओं का निराकरण किया जा सके। बैठक में बताया गया कि इंदौर में पुलिस के 111 जवान कोरोना संक्रमित हैं, जिसमें 106 घर पर आइसोलेशन में हैं। शेष 5 कोरोना पॉजिटिव जवान अस्पताल में उपचाररत हैं।

गृह मंत्री ने शुरू किया पुलिस कोविड केयर सेंटर

गृह मंत्री ने इंदौर में पुलिस डीआरपी लाइन में पुलिस कर्मियों के लिए 50 बेड की क्षमता वाले कोविड केयर सेंटर की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 742 पुलिसकर्मी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वर्तमान में पुलिसकर्मियों की आवश्यकता को देखते हुए कोविड केयर सेंटर शुरू किया गया है, ताकि जवानों को त्वरित बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

एक लाख 12 हजार 602 कोरोना मरीजों तक पहुंची मेडिकल किट

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि अभी तक 52 जिलों में एक लाख 12 हजार 602 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। श्री सिंह ने बताया है कि 18 अप्रैल से 27 अप्रैल के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लीनिक एवं होम डिलीवरी के माध्यम से एक लाख 12 हजार 602 मेडिकल किट कोविड मरीज़ों को उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360 और 27 अप्रैल को 9 हजार 705 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई हैं।

जीवन अमृत योजना के तहत बांटे गए लगभग 60 हजार काढ़े के पैकेट

भोपाल, आयुष पद्धति अपनाकर कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम एवं रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है। इसके लिये आयुष विभाग द्वारा लोगों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही जीवन अमृत योजना के तहत काढ़े का वितरण किया जा रहा है। इस बार 8 से 26 अप्रैल तक 59 हजार 843 काढ़े के पैकेट इतने ही परिवारों को उपलब्ध कराये गये हैं। इससे लाभ लेने वाले सदस्यों की संख्या एक लाख 49 हजार 608 है।

रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुसार एक चुटकी हल्दी और नमक के साथ गर्म पानी से गरारे किये जाने चाहिये। प्रतिमर्स नस्य-नाक के प्रत्येक नथुने में प्रतिदिन सुबह अणु/तिल तेल की 2-2 बूंद डाली जा सकती हैं। अश्वगंधा चूर्ण के एक से तीन ग्राम चूर्ण को लगातार 15 दिन तक गर्म पानी के साथ लिया जा सकता है। सशंमनी वटी/गुडुची/गिलोय घनवटी 500 मिली ग्राम दिन में दो बार ले सकते हैं। त्रिकटु पाउडर एक ग्राम, तुलसी 3 से 5 पत्तियां एक गिलास पानी में उबालकर पीने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। तुलसी की पत्तियां, दालचीनी, शुण्डी और कालीमिर्च का काढ़ा भी उपयोगी है।

इसी प्रकार होम्योपैथी में आर्सेनिकम एल्बम-30 को कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ रोग निरोधी दवा के रूप में अपनाया जा सकता है। इसकी एक डोज खाली पेट 3 दिन उपयोग की जा सकती है।

यूनानी चिकित्सा में भी रोग-प्रतिरोधक दवाएं उपलब्ध हैं, जो भी काफी कारगर हैं। इसमें शरबत उन्नाव 10-20 मिली ग्राम दिन में 2 बार, तिर्याक नज़ला 5 ग्राम दिन में 2 बार लिया जा सकता है। नथुने में रोगन बनाफशा एक से दो बूंद डाला जा सकता है। अर्क अजीब 4-8 बूंदें ताजे पानी में दिन में 4 बार इस्तेमाल कर सकते हैं। बेहिदाना 3 ग्राम, उन्नाब 7 दाना, सपिस्तान 7 दाना, दारचीनी 3 ग्राम, बनफसा 5 ग्राम, बर्ज-ए-गोजाबान 7 ग्राम औषधि का जोशांदा काढ़ा एक लीटर पानी में डालकर उबालें और आधा रह जाने पर छानकर बार-बार सिप लेकर पीने से भी फायदा होता है।

बिजली कार्मिक टीकाकरण के लिए करायें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

भोपाल, राज्य शासन के निर्णयानुसार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी कार्मिकों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिये प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण किया जायेगा।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि कंपनी के 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी कार्मिकों को कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिये प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण किया जाएगा।

इस संबंध में क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधकों एवं महाप्रबंधकों को निर्देश जारी कर कहा गया है कि वृत्त एवं संभागीय स्तर पर कार्मिकों के टीकाकरण के लिये शासन के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। साथ ही महाप्रबंधक वृत्त कार्यालय द्वारा स्वास्थ्य विभाग एवं जिला कलेक्टर से संपर्क कर जिला स्तर पर शिविर लगाकर बिजली कार्मिकों का टीकाकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाये।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपील की है कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिये 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बिजली कार्मिक राज्य शासन के पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर अनिवार्य रूप से टीकाकरण करायें।

मुख्यमंत्री ने बीना में बन रहे अस्थाई अस्पताल की देखी प्रगति

सागर, कोरोना के खिलाफ युद्ध स्तर पर संघर्ष जारी है। संक्रमित भाई-बहनों के बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है। राज्य शासन की दोहरी रणनीति है, जिसमें एक ओर संक्रमण को बढ़ने से रोका जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ऑक्सीजन की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित की जा रही है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड, बीना के समीप बनाए जा रहे अस्थाई अस्पताल का निरीक्षण करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बीना में बन रहे अस्थाई कोविड अस्पताल के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए।

उल्लेखनीय है कि, कोरोना संक्रमितों के उचित उपचार तथा संक्रमित व्यक्तियों को पर्याप्त ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्था के उद्देश्य से बीओआरएल (भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड) के पास करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर ग्राम चक्क (आगासोद) में एक हजार पलंग की क्षमता वाला एक अस्थाई अस्पताल बनाया जा रहा है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिए गए थे कि इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य प्रारंभ किया जाए। इसकी समीक्षा करने श्री चौहान स्वयं बीना पहुंचे जहां उन्होंने अस्पताल स्थल पर संपूर्ण कार्य-योजना को समझा तथा प्रोजेक्ट, ले-आउट और अन्य तैयारियों की जानकारी ली।

कोविड संक्रमितों के इलाज हेतु ग्राम चक्क में बन रहे इस अस्पताल में अन्य सुविधाओं के साथ मुख्य रूप से ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। बीना रिफाइनरी के ऑक्सीजन प्लांट से इंडस्ट्रियल ऑक्सीजन को मेडिकल ऑक्सीजन में परिवर्तित कर रिफाइनरी से अस्थाई अस्पताल तक मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति लगातार बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बीओआरएल में समीक्षा बैठक भी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि अस्पताल निर्माण में हवा, पानी की उत्तम व्यवस्था हो और आग से बचाव का विशेष ध्यान रखा जाये। रिफाइनरी के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि बीओआरएल के वॉटर सोर्स से करीब 4 हजार मीटर की पाइप लाइन द्वारा हॉस्पिटल डोम तक पानी पहुंचाया जायेगा। बीओआरएल में 12 लाख लीटर पानी की क्षमता के डवेल हैं। एक अनुमान के अनुसार लगभग 135 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति मरीज दिया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि अस्थाई अस्पताल के लिए डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टॉफ, चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी आदि बाहर से आएँगे। अतः उनके रुकने का अच्छा इंतजाम किया जाए और तत्काल 100 बिस्तरों का अस्पताल तैयार कर उसका प्रारंभिक परीक्षण कराया जाये।

श्री चौहान ने कहा, चूंकि मरीज ज्यादा चल नहीं सकता, अतः उसकी सुविधा के लिये शौचालय ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। अस्पताल के पास में ही लैब होना चाहिए। उन्होंने बिजली लाइन के लिए सब स्टेशन तत्काल तैयार करने और निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने बताया कि, अस्थाई अस्पताल के सेटअप तथा बीओआरएल से अस्थाई अस्पताल तक ऑक्सीजन सप्लाई के लिए डीआरडीओ से आवश्यक तकनीकी सहायता मिल रही है। ऑक्सीजन पाइप-लाइन के लिये अहमदाबाद की टीम का भी सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन पाइप लाइन अस्पताल परिसर के डोम तक आयेगी। अतः कम्प्रेशर आदि की भी पर्याप्त व्यवस्था रखी जाये। बैठक में जानकारी दी गई कि बीओआरएल से अस्पताल के डोम तक कॉपर पाइप के माध्यम से ऑक्सीजन सप्लाई कर मरीजों तक पहुंचाई जाएगी।

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि, अस्पताल परिसर में एक ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) भी बनाई जाए, जिससे मरीज परामर्श ले सकें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें भर्ती किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल से सागर, विदिशा, रायसेन और बुंदेलखंड के मरीज लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि कोविड से संघर्ष के इस दौर में जरुरत देखते हुए मध्यप्रदेश की सजग सरकार को बीना रिफाइनरी का विकल्प मिला, जहां ऑक्सीजन उपलब्ध है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना मरीजों के उपचार के लिये सभी आवश्यक प्रबंध प्राथमिकता के आधार पर कर रही है। उपचार की सभी व्यवस्थाओं को युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है। आवश्यक दवाओं के साथ रेमडेसिविर इंजेक्शन और ऑक्सीजन की सप्लाई भी निर्बाध रूप से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किये जा रहे हैं, जिनमें से कुछ प्रारंभ भी हो गये हैं। शीघ्र ही ऑक्सीजन के मामले में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर होगा।

रेमडेसिविर इंजेक्शन सप्लाई

मध्यप्रदेश में अब तक 7 विभिन्न कंपनियों से रेमडेसिविर इंजेक्शन के लगभग 01 लाख 50 हजार डोजेज प्राप्त हो गए हैं। 22 अप्रैल को इंजेक्शन के 2 हजार 700 डोज निजी सप्लाई से प्राप्त हुए हैं, जिनका उचित और न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया गया है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता

केंद्र सरकार से 22 अप्रैल से 643 मीट्रिक टन प्रतिदिन ऑक्सीजन आपूर्ति की स्वीकृति मिली है। ऑक्सीजन की आपूर्ति को सुचारु बनाने के लिये राज्य सरकार द्वारा 2 हजार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर खरीदे गये हैं। प्रदेश के 34 जिलों में स्थानीय व्यवस्था से एक हजार से अधिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स लगाए जा चुके हैं।

काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, भारत सरकार द्वारा अधिकृत संस्था के माध्यम से प्रदेश के 5 जिला चिकित्सालयों (भोपाल, रीवा, इंदौर, ग्वालियर और शहडोल) में नवीनतम (वीपीएसए) तकनीक आधारित ऑक्सीजन प्लांट्स 1 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से लगाये जा रहे हैं। इनमें 300 से 400 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन बनेगी, जो कि लगभग 50 बेड्स के लिए पर्याप्त होगी। इस नवीनतम तकनीक से ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने वाला मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य है।

प्रदेश के 8 जिलों में भारत सरकार के सहयोग से (पीएसए) तकनीक आधारित 8 ऑक्सीजन प्लांट्स स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 5 प्लांट्स ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। राज्य सरकार स्वयं के बजट से 37 जिला अस्पतालों में पीएसए तकनीक से तैयार होने वाले नए ऑक्सीजन प्लांट्स लगा रही है। इनमें से प्रथम चरण में 13 जिलों में 16 मई तक प्लांट प्रारंभ हो जायेंगे। द्वितीय चरण में 9 जिलों में प्लांट 23 मई तक चालू हो जायेंगे। तृतीय चरण में शेष 15 जिलों में ऑक्सीजन प्लांट्स 20 जुलाई तक प्रारंभ करने का लक्ष्य है।

कोरोना से मृत्यु पर

मंडी कर्मचारियों के परिजनों को मिलेंगे 25 लाख रुपये

भोपाल, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने बताया है कि कोरोना संक्रमण काल में मंडी बोर्ड के 31 कर्मचारी अपने कर्तव्यों को पूर्ण करते हुए महामारी के काल के गाल में समा गये। उन्होंने मृतक कर्मचारियों को श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सहायता दी जायेगी, साथ ही मंडी बोर्ड एवं समितियों के कर्मचारियों के परिजनों को इलाज के लिये अग्रिम राशि भी दिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। श्री पटेल ने कहा कि समस्त मृतक कर्मचारियों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सहायता राशि मंडी बोर्ड की ओर से प्रदान की जायेगी। सहायता राशि प्रदान करने में किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया जायेगा। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के परिजनों को भी 25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। श्री पटेल ने कहा कि मंडी बोर्ड और समिति सदस्यों ने अपनी जान को जोखिम में डालकर उपार्जन का कार्य किया है।

'योग से निरोग' कार्यक्रम

होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में होगी योग प्रशिक्षण की व्यवस्था

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में "योग से निरोग" कार्यक्रम का वर्चुअल रूप से शुभारंभ करते हुए।

भोपाल, जन-सामान्य को कोरोना संकट से मुक्त करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। पूरी दुनिया भयानक महामारी से जूझ रही है। मानव सभ्यता के इतिहास में इतना बड़ा संकट कभी नहीं आया है। हमारी संस्कृति, जीवन मूल्य और परम्परा में पहला सुख निरोगी काया माना गया है और इसकी कई पद्धतियां बताई गई हैं। हमारे ऋषियों ने वर्षों के परिश्रम से योग पद्धति विकसित की है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर स्वस्थ रहने के सिद्धांत पर केन्द्रित है। कोरोना के इस भीषण काल में व्यक्तियों को स्वस्थ रखने के लिए 'योग से निरोग' कार्यक्रम आरंभ किया जा रहा है। कार्यक्रम में लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएंगी। जो व्यक्ति कोरोना से प्रभावित है और आइसोलेशन में रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं, उन्हें स्वास्थ्य लाभ के लिए योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में राज्य स्तरीय 'योग से निरोग' कार्यक्रम का वर्चुअल शुभारंभ करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ ऑक्सीजन लेवल ठीक करने, मनोबल बढ़ाने, मरीजों का अकेलापन, अवसाद, तनाव, चिंता, बैचेनी और नकारात्मक भाव समाप्त करने में मदद करता है। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों और कोरोना के परिणाम स्वरूप नकारात्मक भाव से ग्रसित मरीजों के लिए योग से निरोग कार्यक्रम बहुत प्रभावी सिद्ध होगा। प्रदेश के कोविड मरीजों में से लगभग 72 प्रतिशत मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इन व्यक्तियों को फोन कॉल, वीडियो कॉल के माध्यम से योग प्रशिक्षक प्रतिदिन मरीज की सुविधानुसार एक निश्चित समय पर योग, ध्यान, आसन, प्राणायाम आदि के संबंध में मार्गदर्शन देंगे और उनका अभ्यास भी कराएंगे।

श्री चौहान ने कहा कि होम आइसोलेशन और कोविड केयर सेंटर में रह रहे व्यक्तियों को यदि ठीक कर लिया गया तो यह प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। इससे अस्पतालों पर पड़ने वाले बोझ से बचा जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने स्वयं के अनुभव से कहा कि कोरोना संक्रमण के उपरांत स्वास्थ्य लाभ में और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने में योग प्रभावी रूप से सहायक है।

आयुष मंत्री श्री रामकिशोर नानो कांवरे ने कहा कि योग से निरोग कार्यक्रम मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि का परिणाम है। इस कार्यक्रम से होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों का मनोबल, उत्साह और आत्मबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने जानकारी दी कि इंडियन योग एसोसिएशन के अंतर्गत आर्ट ऑफ लिविंग, भारत योग, गायत्री परिवार, हार्ट फुलनेस, ईशा फाउंडेशन, केवल्य धाम, पतंजलि योग पीठ आदि के सहयोग से आरंभ किए गए इस कार्यक्रम में 1067 प्रशिक्षक पंजीकृत हुए हैं। प्रत्येक प्रशिक्षक होम आइसोलेशन में रह रहे 10 मरीजों से सम्पर्क करेगा और उन्हें 3 दिन का योग प्रशिक्षण देगा। इन गतिविधियों का समन्वय डिस्ट्रिक्ट कमाण्ड एंड कंट्रोल सेंटर से किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग तथा आयुष विभाग द्वारा समन्वित रूप से चलाए जा रहे इस कार्यक्रम में एक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है।

मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज होगा टीकाकरण अभियान

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट इंदौर में टीकाकरण अभियान के संबंध में बैठक करते हुए।

इंदौर, जल संसाधन तथा इंदौर के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंदौर में कोरोना की वर्तमान स्थितियों की समीक्षा की। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना के उपचार और शहरी क्षेत्र में माइक्रो कंटेनमेंट ज़ोन के संबंध में विशेष तौर पर चर्चा हुई। एक मई से प्रारंभ हो रहे टीकाकरण अभियान को सफल बनाने पर भी चर्चा की गई।

श्री सिलावट ने निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड मरीज पाये जाने पर उन्हें तत्काल कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि वर्तमान में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 46 माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाये गये हैं, इसके अतिरिक्त लगभग 25-30 क्षेत्रों को चिन्हित कर उन्हें भी माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाये जाने की कार्यवाही कर सख्ती से पालन कराया जाये।

उन्होंने जनता कर्फ्यू का सख्ती से पालन कराने के भी निर्देश दिये। साथ ही उल्लंघन करने पर दण्ड स्वरूप सांकेतिक रूप से अस्थाई जेल भेजने के भी निर्देश दिये, ताकि जनता कर्फ्यू का सख्ती से पालन किया जा सके। जनता कर्फ्यू के दौरान पुलिस फोर्स के सहयोग के लिये फॉरेस्ट गार्ड, होम गार्ड, नगर सुरक्षा समिति, एनसीसी कैडेट की सेवाएं लेने के भी निर्देश दिये गये ताकि बल की कमी न हो सके।

रेमडेसिविर की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध करें रासुका की कार्रवाई

श्री सिलावट ने निर्देश दिये कि रेमडेसिविर की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की जाये। उन्होंने कलेक्टर श्री मनीष सिंह को ऑक्सीजन ऑडिट एवं स्टेप डाउन की समुचित व्यवस्था करने एवं निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अस्पतालों के बाहर मरीजों के परिजनों के लिये टेंट लगाकर, बैठने एवं पानी इत्यादि की समुचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने वैक्सीनेशन अभियान को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश भी दिये।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बैठक में कहा कि होम आइसोलेशन की समुचित व्यवस्था की समीक्षा प्रतिदिन मेरे द्वारा कंट्रोल सेंटर पर जाकर की जा रही है तथा प्रतिदिन 25-30 मरीजों से मेरे द्वारा वीडियो कॉलिंग पर चर्चा भी की जा रही है। उनकी कठिनाइयों एवं परेशानियों को तुरंत हल करने तथा होम आइसोलेशन में मरीजों का मनोबल बढ़ाने हेतु प्रतिदिन 2 बार फोन पर बात करने के निर्देश भी मेडिकल टीम को दिये गये।

ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए एयर सेपरेशन यूनिट शीघ्रता से पूर्ण करें

भोपाल, लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि जिला चिकित्सालयों में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए स्थापित किए जा रहे एयर सेपरेशन यूनिट की स्थापना का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जाये। लोक निर्माण द्वारा प्रत्येक जिले में हॉस्टल, स्कूल, आश्रम, छात्रावास या अन्य भवनों में बनाए गये कोविड केयर सेंटर की व्यवस्थाओं की सतत् निगरानी की जाये। उल्लेखनीय राज्य शासन द्वारा जिलों में ऑक्सीजन आपूर्ति तथा अस्थाई कोविड केयर सेंटर तैयार करने की जिम्मेदारी लोक निर्माण को सौंपी गई है। विभाग द्वारा इन केन्द्रों पर 10 हजार बिस्तर की व्यवस्था की गई है।

जिला चिकित्सालयों में ऑक्सीजन आपूर्ति की पुख्ता व्यवस्था

प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री नीरज मंडलोई ने बताया कि पीएसए तकनीक के माध्यम से ऑक्सीजन संयंत्र स्थापना के कार्य आदेश जारी किए जा चुके हैं। प्रथम चरण में स्वीकृत 8 जिला चिकित्सालयों के संयंत्रों में से खण्डवा, शिवपुरी, सिवनी, उज्जैन, जबलपुर और मंदसौर में ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रारंभ हो गयी है। प्रदेश में 5 स्थानों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रीवा और शहडोल में मुख्यमंत्री सहायता कोष से संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा 13 जिला चिकित्सालयों सागर, सीहोर, विदिशा, गुना, सतना, रायसेन, बालाघाट, खरगोन, कटनी, बड़वानी, नरसिंहपुर, बैतूल एवं काटजू अस्पताल भोपाल में संयंत्र स्थापना के लिए मेसर्स एयर ऑक्स औरंगाबाद को मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत पांच संयंत्र भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रीवा एवं शहडोल में संयंत्र स्थापना का कार्य मेसर्स गैस कॉम कम्पनी को, 15 स्थानों पर उमरिया, शाजापुर, नीमच, झाबुआ, सिंगरौली, टीकमगढ़, अशोकनगर, बुरहानपुर, अनूपपुर, श्यौपुर, डिण्डौरी, अलीराजपुर, आगर-मालवा, निवाड़ी तथा हरदा में स्थापना के लिए मेसर्स एकस्तीय कम्पनी हिमाचल प्रदेश को तथा शेष 9 जिला चिकित्सालयों देवास, धार, मंडला, होशंगाबाद, पन्ना, दमोह, छतरपुर, सीधी और भिण्ड में संयंत्र स्थापना के लिए एयर ऑक्स कम्पनी संयंत्र के कार्य आदेश दिनांक से एक माह में पूर्ण किए जाएंगे। अनुबंध के अनुसार संयंत्र के मेन्टीनेंस की तीन वर्ष की गारण्टी निर्माण कम्पनी की होगी।

उड़ीसा से ऑक्सीजन लेकर लौटे नाइट्रोजन टैंकर

भोपाल, कोरोना मरीजों के लिए जीवन रक्षक ऑक्सीजन की किल्लत को दूर करने के लिए राज्य शासन द्वारा उड़ीसा भेजे गए पशुपालन विभाग के चारों नाइट्रोजन टैंकर 24.28 टन ऑक्सीजन लेकर वापस आ गए हैं। आवश्यकता के आधार पर इन टैंकरों को गुना, सतना, छतरपुर और शिवपुरी भेजा गया है। पुलिस सुरक्षा के साथ वापस आए नाइट्रोजन टैंक में आई 7 टन ऑक्सीजन को गुना, 8.460 टन को सतना, 4.080 को छतरपुर और 4.740 टन को शिवपुरी भेजा गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

किम बू क्यूम

दक्षिण कोरिया के नए प्रधानमंत्री होंगे

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे इन ने किम बू क्यूम को देश के नये प्रधानमंत्री के तौर पर नामित किया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद किम बू क्यूम देश के नए प्रधानमंत्री होंगे। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के अलावा भूमि, श्रम, उद्योग, विज्ञान तथा महासागर मंत्री भी नियुक्त किये हैं।

टेस्ला कलाकृति

बिजली के टॉवर जैसी रचना तैयार

क्रोएशिया के एक टेक्नोलॉजी पार्क में टेस्ला कलाकृति को तैयार किया गया है। यहां अमेरिकी सर्वियाई इनोवेटर निकोल टेस्ला की ओवरहेड पावर लाइन के जैसी धातु से बनी 41 फीट की ऊंची कलाकृति लगाई गई है। आधुनिक बिजली सप्लाई प्रणाली विकसित करने का श्रेय टेस्ला को ही है।

गूगल अर्थ

गूगल ने अपना टाइमलैप्स फीचर पेश किया

गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने गूगल अर्थ में 'टाइमलैप्स' फीचर पेश करने की घोषणा की है। यह 2017 के बाद सबसे बड़ा अपडेट है। इसके जरिए कोई भी व्यक्ति 4 दशक के ग्रहों के बदलाव को देख सकेगा। इसके लिए गूगल ने पिछले 37 वर्षों से 2.4 करोड़ उपग्रह चित्रों को संवादात्मक खोजपूर्ण, 4 डी अनुभव में संकलित किया है। पिचाई ने कहा कि हमने पिछली आधी शताब्दी के दौरान वातावरण में सबसे तेजी से बदलाव देखा है।

श्रीति पांडेय

एशिया की टॉप 30 वैज्ञानिकों में शामिल

मशहूर अमेरिकी बिजनेस पत्रिका 'फोर्ब्स' ने देश की युवा वैज्ञानिक श्रीति पांडेय को एशिया के सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिकों में शामिल किया है। इस सूची में 30 या उससे कम उम्र के उन युवा वैज्ञानिकों को शामिल किया गया है, जिन्होंने उद्योग जगत के लिए या ऊर्जा क्षेत्रों में कोई ऐसा शोध किया हो जो समाज और उद्योग क्षेत्र के हित में हो। श्रीति ने गेहूं के डंठल व भूसे के बने पैनल से कम लागत में टिकाउ मकान तैयार कर दुनिया को चकित किया है।

कैट श्नाइडर

मिसेज आयरलैंड अब बनीं मिसेज वर्ल्ड

आयरलैंड की कैट श्नाइडर को नई मिसेज वर्ल्ड घोषित किया गया है। आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता को पहले जीतने वाली कैरोलीन ज्यूरी की ओर से प्रतियोगिता के विजेता पद से इस्तीफा देने के कारण कैट को मिसेज वर्ल्ड घोषित किया गया। अब प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहने वाली कैट वर्ष 2020 की नई मिसेज वर्ल्ड बन गई हैं।

सौम्या स्वामीनाथन

यूके लेड पैंडमिक प्रीपेरडेनेस पार्टनरशिप के 20 एक्सपर्ट में शामिल

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन को यूके लेड पैंडमिक प्रीपेरडेनेस पार्टनरशिप के 20 एक्सपर्ट में शामिल किया गया है। ये टीम नई बीमारियों के प्रति लोगों को आगाह करेगी। सौम्या शिशु रोग विशेषज्ञ और क्लिनिकल साइंटिस्ट भी हैं।

प्रियंका मोहिते

अन्नपूर्णा चोटी फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

महाराष्ट्र के सतारा की प्रियंका मोहिते दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी अन्नपूर्णा पर फतह हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला पर्वतारोही बन गई हैं। उत्तर-मध्य नेपाल के हिमालय में स्थित अन्नपूर्णा की ऊंचाई 8091 मीटर है। प्रियंका इससे पहले 2013 में सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तथा 2018 में माउंट ल्होत्से पर भी फतह हासिल कर चुकी हैं। उन्होंने माउंट मकालू और माउंट किलिमंजारो पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

डीएसआरवी

पनडुब्बी खोजने के लिए भारत ने इंडोनेशिया भेजी सहायता

इंडोनेशिया की गायब हुई पनडुब्बी की खोज में भारतीय नौसेना ने राहत और बचाव कार्य के लिए अपने डीप सबमर्जेन्स रेस्क्यू व्हीकल (डीएसआरवी) को इंडोनेशिया रवाना कर दिया है। डीएसआरवी 800 मीटर की गहराई तक जा सकती है और एक बार में 14 लोगों को बचा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के पास ऐसी कोई मशीनरी नहीं है।

थाईलैंड

अर्थ डे पर 3.30 लाख मोमबत्तियां जलाकर दिया संदेश

थाईलैंड के 51 साल पुराने धम्मकाय मंदिर में बौद्ध भिक्षुओं ने 3.30 लाख मोमबत्तियां जलाकर पृथ्वी बचाने का संदेश दिया। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। ये मोमबत्तियां 78 एकड़ में लगायी गई थीं। वर्ल्ड अर्थ डे पर ऐसा पृथ्वी को सहेजने का संदेश देने के लिए किया गया।

मारिया औजोवा

बिना पैरों के माउंट एवरेस्ट फतह किया

कजाखस्तान के नूर-सुल्तान की रहने वाली मारिया औजोवा बिना पैरों के माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला बन गयी हैं। मारिया ने एवरेस्ट के चोमोलुंगमा बेस कैम्प पर चढ़ाई की। औजोवा के मुताबिक अभियान में 10 दिन लगे। जबकि वह इसके लिए डेढ़ साल तक लगातार तैयारी करती रहीं। 6 साल पहले औजोवा के दोनों पैर काटने पड़े थे।

अमेरिका

नासा ने लूनर गेटवे स्पेस स्टेशन की तस्वीरें साझा कीं

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कुछ तस्वीरें साझा की हैं। जिनमें दिखाया गया है कि इसका आगामी लूनर गेटवे स्पेस स्टेशन कैसा दिखेगा। यह 2024 में लॉन्च होने वाले मून मिशन में अहम पड़ाव होगा। इसे अंतरिक्ष यात्रियों के लिए 'होम अवे फ्रॉम होम' कहा जा रहा है। इसमें 4 लोग रह सकते हैं।

मेरी हिल और रॉन हेडली

सौ साल की उम्र में शुरू की नई पारी

न्यू कैसल की 93 साल की मैरी हिल और 100 साल के रॉन हेडली ने उम्र के इस पड़ाव पर विवाह कर के जिंदगी की नई पारी की शुरुआत की है। दोनों अपने जीवन साथी खोने के बाद एकाकी जीवन बिता रहे थे। एक ग्रुप एक्सरसाइज क्लास में इनकी मुलाकात हुई। फिर दोनों ने परिवारों की मौजूदगी में केयर होम में विवाह रचा लिया।

सुमित के. चंदा

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने खोजे कोरोना वायरस से लड़ने वाले जीन्स

अमेरिकी वैज्ञानिकों की एक टीम ने मानव जीन्स के एक ऐसे समूह की पहचान की है, जो कोरोना संक्रमण के कारक वायरस से लड़ने में सक्षम है। इस टीम का नेतृत्व भारतीय मूल के वैज्ञानिक सुमित के. चंदा कर रहे हैं, जो सैनफोर्ड बर्नहम प्रीबे मेडिकल डिस्कवरी इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर हैं। उनके मुताबिक यह नई खोज है जिससे हमें पता चलता है कि कैसे यह वायरस कोशिकाओं को कमजोर करता है। सुमित और उनकी टीम का यह शोध मॉलक्यूलर सेल जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

हंगरी

सबसे बड़े चर्च के क्रॉस के अंदर टाइम कैप्सूल मिला

हंगरी के सबसे बड़े चर्च में मरम्मत के दौरान चर्च के ऊपर लगे क्रॉस में 176 साल पुराना टाइम कैप्सूल मिला है। तांबे के सीलबंद कनस्तर में चर्च के निर्माण संबंधी दस्तावेज सही स्थिति में थे। चर्च के खजाने के निदेशक साबा तोरोक ने कहा कि दस्तावेजों ने 1822 की दुर्लभ झलक दी जब चर्च बनाया गया था। अगला टाइम कैप्सूल आगामी जून में रखा जाएगा।

कीट हार्मोन

कीटों के लिए कृत्रिम रूप से तैयार

कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर केनेथ वेलबर्ग ने शोध-कर्ताओं की टीम के साथ हानिकारक कीड़ों का मुकाबला करने के लिए पर्यावरणीय तरीकों को विकसित करने के लिए कृत्रिम कीट हार्मोन तैयार किए हैं। शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि कौन से हार्मोन गुबरैले के गुर्दे में मूत्र के गठन को नियंत्रित करते हैं। एसोसिएट प्रोफेसर केनेथ वेलबर्ग ने कहा कि हमारा प्रयास हानिकारक कीड़ों का मुकाबला करने के लिए पर्यावरणीय तरीके विकसित करना है।

कृति कारंत

वाइल्ड इनोवेटर अवॉर्ड के लिए चुनी गयीं

बेंगलुरु की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कृति कारंत को 2021 के वाइल्ड इनोवेटर अवॉर्ड के लिए चुना गया है। यह सम्मान पाने वाली वह पहली भारतीय और एशियाई महिला हैं। वन्यजीव अध्ययन केंद्र ने जारी एक बयान में यह जानकारी दी। वाइल्ड इलिमेंट्स फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला यह पुरस्कार नवोन्मेषियों और भागीदारों सहित विभिन्न पक्षों के गठजोड़ को एक साथ लाता है ताकि वैश्विक सततता और संरक्षण के समाधान की पहचान की जा सके और यथास्थिति को दूर किया जा सके। कृति कारंत ने कहा कि इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर वह गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

स्मृति शेष

हैरी पॉटर की अभिनेत्री हेलेन का निधन

प्रसिद्ध फिल्म सीरीज हैरी पॉटर की अभिनेत्री हेलेन मैक्रोरी का 52 वर्ष की उम्र में कैंसर से निधन हो गया। हेलेन ने हैरी पॉटर में ड्रेको मैलफॉय की मां नार्सिसा मैलफॉय का रोल किया था। वेब सीरीज पीकी ब्लाइंडर्स में भी हेलेन का अभिनय सराहा गया था।

समीक्षक बी.जी. जोशी का निधन

देश-दुनिया के हॉकी के हर रिकॉर्ड को सहेजने वाले समीक्षक बी.जी. जोशी का 67 वर्ष की उम्र में कोरोना से निधन हो गया है। जोशी के संकलन को विश्व हॉकी और भारतीय हॉकी संघ भी मान्यता देता था। उन्होंने हॉकी के सौ साल के इतिहास को सहेजकर रखा था।

बांग्ला कवि शंख घोष का निधन

बांग्ला कवि शंख घोष का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे कोरोना संक्रमित थे। 2011 में उन्हें पद्मभूषण, 2016 में प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। पुस्तक बाबरेर प्रार्थना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार भी दिया गया था।

मशहूर कव्वाल फरीद साबरी का निधन

बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्मों के लिए कव्वाली गाने वाले मशहूर कव्वाल फरीद साबरी का निधन हो गया। उन्होंने हिना, सिर्फ तुम जैसी सुपरहिट फिल्मों में कव्वाली गायी हैं। फरीद और उनके भाई अमीन साबरी को साबरी ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है।

पूर्व हॉकी अंपायर अनुपमा का निधन

पूर्व अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर अनुपमा पंचिमांदा का 40 वर्ष की उम्र में कोरोना संक्रमण से निधन हो गया। राष्ट्रीय स्तर की पूर्व हॉकी खिलाड़ी अनुपमा अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा ले चुकी थीं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

यदि आप प्रतिभा के साथ उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकते हैं, तो प्रयास से विजयी बनें – देव खीनवाउम

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड टीकमगढ़ म.प्र.
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर टीकमगढ़ जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था किये जाने हेतु निम्नानुसार कार्यों की निविदायें आमंत्रित हैं।

निविदा क्रमांक दिनांक	सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की कुल लागत रु. (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण की समयावधि
08/ 2021-22	2021_ PHED_ 140511_1	टीकमगढ़ जिले के विकासखण्ड जतारा के ग्राम वर्मा मांझ, टपरियन नज कुंजपुरा एवं मस्तापुर में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलु कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	306.94	306940/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
09/ 2021-22	2021_ PHED_ 140514_1	टीकमगढ़ जिले के विकासखण्ड जतारा के ग्राम वीरउ एवं हतेरी में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलु कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	286.24	286240/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
10/ 2021-22	2021_ PHED_ 140517_1	टीकमगढ़ जिले के विकासखण्ड जतारा के ग्राम बम्होरी खास में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन घरेलू कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	278.72	278720/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
11/ 2021-22	2021_ PHED_ 140521_1	टीकमगढ़ जिले के विकासखण्ड जतारा के ग्राम चंदेरा खास में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन घरेलू कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	499.45	499450/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर

निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज मय धरोहर राशि के **दिनांक 05.05.2021 सायं 5.30 बजे** तक ऑनलाइन ही अपलोड किये जावेंगे। ऑफलाइन प्राप्त दस्तावेजों या एफ.डी.आर. वाले निविदा प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। समस्त विवरण **http://mptenders.gov.in** वेबसाइट पर/अथवा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन ही क्रय किये जा सकते हैं। एवं निविदा दर ऑनलाइन ही प्रस्तुत करनी होगी। समस्त प्रक्रिया "की डेट्स" अनुसार करनी होगी। भविष्य में निविदा आमंत्रण सूचना में किये जाने वाले संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रदर्शित होंगे। समाचार पत्रों में प्रकाशनार्थ प्रेषित नहीं किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-12098/45506/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड टीकमगढ़ म.प्र.**

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दमोह (म.प्र.)

क्रमांक/एन.एच.एम./2021/9381 **दमोह, दिनांक 20.04.2021**

विज्ञप्ति

कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी नियंत्रण हेतु जिले में मानव संसाधन सुनिश्चित करने के लिये राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल म.प्र. के पत्र क्रमांक/6019 दिनांक 03.04.21 के अनुसार आयुष चिकित्सा अधिकारियों के अस्थाई पद पूर्ति मासिक मानदेय 25000/- पर सेवायें लेने हेतु अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति एवं कलेक्टर दमोह को कोविड-19 के नियंत्रण हेतु अस्थाई चयन के अधिकार प्रत्यायोजित कर 15 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु स्वीकृति दी गई जो निम्नानुसार है -

क्र.	पदनाम	योग्यता	मासिक मानदेय	रिक्त पद
1.	आयुष चिकित्सा अधिकारी, (आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी)	बी.ए.एम.एस./बी.यू.एम.एस./बी.एच.एम.एस. (मान्यता प्राप्त वि.वि. एवं आयुर्वेद तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड में जीवित पंजीयन/म.प्र. होम्योपैथी परिषद में जीवित पंजीयन)	25000/-	15

उक्त पद हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदन हेतु शर्तें -

1. उक्त सेवायें एक माह तक या स्वास्थ्य विभाग के आगामी आदेश तक ली जा सकेंगी। नियमित किये जाने संबंधी कोई भी दावे स्वीकार नहीं किये जावेंगे।
2. उपरोक्त वर्णित पद पर आवेदन **विज्ञापन प्रकाशन होने के दिनांक से 03 दिवस तक** ही आकस्मिकता की स्थिति को देखते हुए मान्य किये जायेंगे।
3. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय जिला चिकित्सालय कैम्पस दमोह में (कार्यालयीन समय सुबह 10.30 बजे से सायं 05.30 बजे तक) स्वीकार किये जावेंगे।
4. अभ्यर्थी का चयन मैरिट के आधार पर उक्त दर्शित योग्यता अनुसार किया जावेगा। जिसके उपरांत मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा।
5. चयन संबंधी अंतिम निर्णय अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति एवं कलेक्टर, जिला दमोह का होगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
दमोह (म.प्र.)

कोविड-19 के पदों पर चयन संबंधी आवेदन का प्रारूप

1. आवेदित पद का नाम - .....
2. आवेदक का नाम - .....
3. आवेदक के पिता/पति का नाम - .....
4. आवेदक का जन्म दिनांक - .....जाति.....
5. आवेदित पद का जीवित पंजीयन क्रमांक/वैधता दिनांक - .....
6. आवेदक का वर्तमान पूर्ण पता - .....
7. आवेदक का स्थाई पूर्ण पता - .....
8. आवेदक का मोवाइल नं. - .....
9. आवेदक की शैक्षणिक योग्यता - .....

क्र.	शैक्षणिक योग्यता	बोर्ड/वि.वि. का नाम	पूर्णांक/प्राप्तांक	प्रतिशत
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

आवेदक के हस्ताक्षर

शपथ पत्र

मैं शपथ पूर्वक कथन प्रमाणित करता हूं कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी पूर्णतः सही एवं सत्य है।

आवेदक के हस्ताक्षर

जी-12105/45503/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग सागर (म.प्र.)

निविदा सूचना 01/सेतु/सागर/2021-22 **सागर, दिनांक 22.04.2021**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders./gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग सागर अंतर्गत वर्ष 2021-22 हेतु वार्षिक मरम्मत कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

टेण्डर आई.डी.	जिला	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि (ई-ई. एम.डी.)	निविदा प्रपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार दस्तावेज जमा करने हेतु (ई-ई.एम.डी. एवं अन्य दस्तावेज)
2021_ PWDRB_ 140601_1	सागर	रु. 17.84	रु. 35,680/-	रु. 2,000/-	31.03.2022 तक	केन्द्रीयकृत पंजीकृत ठेकेदार	केवल ऑनलाइन जमा की जावेगी।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग दमोह अंतर्गत वर्ष 2021-22 हेतु वार्षिक मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_ PWDRB_ 140619_1	दमोह/ पन्ना	रु. 17.84	रु. 35,680/-	रु. 2,000/-	31.03.2022 तक	– तदैव–	– तदैव –

क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग नौगांव अंतर्गत वर्ष 2021-22 हेतु वार्षिक मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_ PWDRB_ 140630_1	टीकमगढ़/ छतरपुर	रु. 17.84	रु. 35,680/-	रु. 2,000/-	31.03.2022 तक	– तदैव–	– तदैव –

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं जमा करने की **अंतिम दिनांक 10.05.2021 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-12089/45505/2021 **लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग सागर (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग छतरपुर (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 03/2021-22 **छतरपुर, दिनांक 23.04.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लो.नि.वि. उपसंभाग छतरपुर के अंतर्गत छतरपुर टाउन मार्ग, हटवाहा सटई मार्ग, छतरपुर पठापुर मार्ग, एन.एच.75 से करीं विक्रमपुर मार्ग, चौका छिरावल हिम्मतपुरा मार्ग, रक्शापुरवा पहुंच मार्ग, नारायणपुरा पहुंच मार्ग, छतरपुर स्थित शासकीय भवनों की पहुंच मार्ग, बगौता एवं बसारी पहुंच मार्ग का बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
2021_PWDRB_140377	नवीनीकरण कार्य	प्रथम	251.29	अमानत राशि एवं अन्य वांछित दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. लो.नि.वि. उपसंभाग नौगांव के अंतर्गत नौगांव टाउन मार्ग, बड़ागांव हरपालपुर मार्ग, हरपालपुर फीडर मार्ग, गंज करारा मार्ग एवं देवपुर खन्देबरा मार्ग का बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

2021_PWDRB_140476	नवीनीकरण कार्य	प्रथम	110.58	--"--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. लो.नि.वि. उपसंभाग विजावर के अंतर्गत किशनगढ़ सिमरिया मार्ग, जैतपुर वर्धा मार्ग एवं विजावर जटाशंकर मार्ग का बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

2021_PWDRB_140477	नवीनीकरण कार्य	प्रथम	145.45	--"--

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. लो.नि.वि. उपसंभाग लवकुशनगर के अंतर्गत चंदला बछौन मार्ग, खजुराहो नरेहफॉल मार्ग, मुडेरी अँधियारीवारी मार्ग, राजनगर डहरा नई बस्ती मार्ग, खजुवा पहुंच मार्ग, राजनगर टाउन मार्ग, खजुराहो बाईपास मार्ग, लवकुशनगर जेल, अदालत, तहसील, रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग एवं चरन पादुका पहुंच मार्ग का बी.टी. नवीनीकरण कार्य।

2021_PWDRB_140478	नवीनीकरण कार्य	प्रथम	348.93	--"--
	योग		**856.25**	

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 08.05.2021** एवं ऑनलाइन प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 08.05.2021 (17:30) बजे** निर्धारित है। निविदा दिनांक 10.05.2021 को कार्यालय मुख्य अभियंता लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर में खोली जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-12085/45504/2021 **लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, छतरपुर (म.प्र.)**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./320/तशा/प.यं./2021 **दिनांक : 29.04.2021**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा भोपाल जिले में मरम्मत कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा क्रमांक **2021_MPPHC_141212_1** आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 10.05.2021 समय 17.00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/100666/45508/2021 **परियोजना यंत्री**

कोरोना के विरुद्ध युद्ध में मुख्यमंत्री से लेकर पंच तक एक हों - मुख्यमंत्री

भोपाल, कोरोना के विरुद्ध युद्ध में मुख्यमंत्री से लेकर पंच तक एक हो जायें तो कोरोना को पराजित किया जा सकता है। यदि हमने हमारा गांव बचा लिया, तो हम प्रदेश और देश को बचाने में भी सफल हो जाएंगे। कोरोना का संकट बड़ा है पर हमारा हौसला उससे भी ज्यादा बड़ा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीण निकायों के जन-प्रतिनिधियों से कोरोना प्रबंधन के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करते हुये कहीं।

पंचायतों ने स्व-प्रेरणा से लगाया जनता कर्फ्यू

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के विरुद्ध यह लड़ाई योजनाबद्ध तरीके से लड़ी जाएगी। इसकी रणनीति के अंतर्गत दो स्तरों पर कार्य करना है। प्रथम जो संक्रमित हो गए हैं उनका बेहतर इलाज सुनिश्चित हो और दूसरा संक्रमण की चेन टूटे। कोरोना रूपी राक्षस अपनी शक्ति भीड़-भाड़ से पाता है। अतः संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए भीड़ की संभावनाओं को शून्य करना होगा। जो शादी-विवाह टाले जा सकते हैं, उन्हें अपने और देश के हित में टालें। हम प्रण लें कि भीड़ इकट्ठी नहीं होने देंगे। प्रदेश की 14 हजार 700 पंचायतों ने स्व-प्रेरणा से जनता कर्फ्यू लगाया है। गांव वाले स्वयं कोरोना कर्फ्यू का क्रियान्वयन कर रहे हैं। पिछले दिनों प्रभावी रहे इस प्रयास से कई जिलों का पॉजिटिविटी रेट घटा है।

होम आइसोलेशन वाले मरीजों को मिल रही है डॉक्टरी सलाह

श्री चौहान ने कहा कि जो व्यक्ति कोरोना से प्रभावित हैं, उनके इलाज की घर पर ही व्यवस्था के लिए होम आइसोलेशन के अंतर्गत डॉक्टरी सलाह और सावधानियों की जानकारी देने की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग के लिए योग प्रशिक्षकों को भी जोड़ा जा रहा है। जिन लोगों के घरों में आइसोलेशन की व्यवस्था नहीं है, ऐसे मरीजों के लिए कोविड केयर सेंटर में व्यवस्था की गई है। जिन गांवों में सर्दी, खांसी, जुकाम ज्यादा लोगों को है या कोरोना के संभावित व्यक्ति हैं, वहां पंच, सरपंच, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव और रोज़गार सहायक मिलकर घर-घर सर्वे करें और हर बीमार व्यक्ति को मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाए। छिंदवाड़ा, खण्डवा, बुरहानपुर में इस दिशा में हुए कार्य से संक्रमण की दर को नियंत्रित करने में सफलता मिली है।

टीकाकरण को करें प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कठिन काल में ग्रामीण भाइयों, मजदूरों, किसानों का हरसंभव ध्यान रखा जा रहा है। तीन महीने का निःशुल्क राशन उपलब्ध कराने के लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ग्रामीण स्ट्रीट वेण्डर्स के खाते में एक-एक हजार रुपये डाले जा रहे हैं। प्रदेश में एक मई से 18 साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक व्यक्तियों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

होम आइसोलेशन पर नजर रखें स्व-सहायता समूह

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोरोना संक्रमण के विरुद्ध जागरूकता और संक्रमण की चेन तोड़ने और होम आइसोलेशन में रह रहे व्यक्तियों की देखभाल में यह समूह सहयोगी रहते हुए सक्रिय रहेंगे। ग्राम स्तर पर साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। श्री चौहान ने कहा कि सहयोग, समन्वय और सद्भाव से ही कोरोना के विरुद्ध विजय प्राप्त होगी।

मध्यप्रदेश के 18 जिलों में पहुँची 540 मीट्रिक टन ऑक्सीजन

भोपाल, मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में 28 अप्रैल को 540 मीट्रिक टन ऑक्सीजन पहुंची। ट्रेन और टैंकरों के माध्यम से आने वाली ऑक्सीजन कोरोना मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। राज्य सरकार के प्रयासों से आवश्यक मांग से अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति होना शुरू हो गई है। ऑक्सीजन लेकर आ रही ट्रेन और प्रत्येक टैंकर की ट्रेकिंग भी की जा रही है।

28 अप्रैल को 6 टैंकरों से 107 मीट्रिक टन ऑक्सीजन भोपाल पहुँची। इसी क्रम में विदिशा जिले के लिए 10 मीट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर टैंकर पहुँचा है। ग्वालियर के लिये 4 टैंकरों से 50 मीट्रिक टन, इंदौर के लिए 6 टैंकरों से 119.5 मीट्रिक टन, जबलपुर के लिए 3 टैंकरों से 53 मीट्रिक टन, रीवा के लिए 3 टैंकरों से 47 मीट्रिक सागर के लिए 2 टैंकरों से 30 मीट्रिक टन, कटनी के लिए 2 टैंकरों से 15 मीट्रिक टन, शहडोल के लिए एक टैंकर से 10 मीट्रिक टन, छिंदवाड़ा के लिए एक टैंकर से 16.5 मीट्रिक टन, रतलाम के लिए एक टैंकर से 16.5 मीट्रिक टन, दतिया के लिए एक से 5 मीट्रिक टन, खण्डवा के लिए एक टैंकर से 10 मीट्रिक टन, उज्जैन के लिए 2 टैंकरों से 26 मीट्रिक टन, शिवपुरी के लिए एक टैंकर से 4.5 मीट्रिक टन, छतरपुर के लिए एक टैंकर से 4.5 मीट्रिक टन, मंडीदीप रायसेन के लिए एक टैंकर से 10 मीट्रिक टन और सतना जिले के लिए एक टैंकर से 6.2 मीट्रिक टन ऑक्सीजन पहुंचाई गई।

माँग से अधिक हो रही ऑक्सीजन आपूर्ति

प्रदेश में कोविड मरीजों को जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किये जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप 471 मीट्रिक टन ऑक्सीजन टैंकरों की जरूरत के विरुद्ध 540 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्रदेश के विभिन्न जिलों में पहुँची है। इससे जिलों में कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

भोपाल जिले में 93 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है, जबकि यहाँ के लिए 107 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित की गयी है। इनमें से 80 मीट्रिक टन बोकारो से, 10 मीट्रिक टन कर्जन से और 17 मीट्रिक टन लिण्डे भिलाई से आई। इंदौर में 113 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत के विरुद्ध 119.5 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित की गयी है। इसमें से 88 मीट्रिक टन रिलायंस जामनगर, 6 कर्जन और 25.5 मीट्रिक टन लिण्डे भिलाई से पहुँची।

इसी तरह जरूरत के आधार पर विदिशा में 10 मीट्रिक टन ऑक्सीजन कर्जन से आई है। ग्वालियर में 43.7 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत के विरुद्ध 50 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित की गई है। इनमें से 17 मीट्रिक टन बोकारो से, 18 मीट्रिक टन मोदीनगर से और 15 मीट्रिक टन भिलाई से आई। जबलपुर में 47 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है, जबकि 53 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित की गयी है। इसमें से 11 मीट्रिक टन ऑक्सीजन बोकारो, 21.2 मीट्रिक टन आर.एस.पी. और 20.68 मीट्रिक टन ऑक्सीजन बी.एस.पी. भिलाई से आई।

रीवा में 30 मीट्रिक टन की जरूरत के विरुद्ध 47 मीट्रिक टन ऑक्सीजन आवंटित की गयी है। इसमें से 30 मीट्रिक टन बोकारो और 17 मीट्रिक टन लिंडे भिलाई से ऑक्सीजन पहुँची सागर में 30 मीट्रिक टन की जरूरत है, और 30 मीट्रिक टन आवंटित की गयी है। यहाँ पर 20 मीट्रिक टन वीएसपी भिलाई और 10 मीट्रिक टन ऑक्सीजन बोकारो से आई।

बिजली कार्मिकों को उपचार के लिए मिलेगा कोविड-19 चिकित्सा अग्रिम

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कोविड-19 पीड़ित बिजली कंपनी के नियमित कार्मिकों को विषम एवं गंभीर परिस्थितियों में चिकित्सा उपचार की सुविधा मुहैया कराने के लिए 'कोविड-19 चिकित्सा अग्रिम तत्काल सहायता योजना' स्वीकृत की है। कंपनी के नियमित कार्मिकों के लिए कोविड-19 से पीड़ित होने पर उन्हें चिकित्सा उपचार के लिए 3 लाख रुपये का अग्रिम तत्काल स्वीकृत किया जाएगा। यह चिकित्सा अग्रिम संबंधित कार्मिक की कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट, चिकित्सक की उपचार पर्ची एवं अस्पताल में भर्ती होने की सलाह संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने पर स्वीकृत किया जाएगा। इसके लिए मैदानी स्तर पर क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक एवं कंपनी मुख्यालय में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) को स्वीकृति के अधिकार दिए गए हैं। चिकित्सा अग्रिम प्राप्त करने वाले संबंधित कार्मिक को आदेश जारी होने की दिनांक से छः माह के भीतर चिकित्सा प्रतिपूर्ति देयक दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करना होगा।

संविदा कार्मिकों को अधिकतम 70 हजार रुपये का अग्रिम

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि कंपनी कार्यक्षेत्र में कार्यरत संविदा कार्मिकों एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कोविड-19 से पीड़ित होने पर चिकित्सा उपचार की सुविधा के लिए 'कोविड-19 संविदा पारिश्रमिक अग्रिम योजना' स्वीकृत की गयी है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **वर्ष 2019 में वूमेन हॉकी प्रो लीग का खिताब किस देश ने जीता है।**
(अ) नीदरलैंड (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) जर्मनी (द) अमेरिका

2. **कलिंगा स्टेडियम भारत के किस शहर में स्थित है।**
(अ) भागलपुर (ब) भुवनेश्वर
(स) कोलकाता (द) कटक

3. **इनमें से किस देश ने टोक्यो ओलिंपिक में खिलाड़ी नहीं भेजने का फैसला किया है।**
(अ) यूक्रेन
(ब) इंडोनेशिया
(स) उत्तर कोरिया
(द) दक्षिण कोरिया

4. **कुमार संगाकारा ने टेस्ट क्रिकेट में कितने दोहरे शतक बनाए हैं।**
(अ) 10
(ब) 11
(स) 13
(द) इनमें से कोई नहीं

5. **हाल ही में टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाली अंशु मलिक किस खेल से संबंधित हैं।**
(अ) कुश्ती
(ब) निशानेबाजी
(स) नौकायन
(द) कबड्डी

6. **फीफा अंडर-17 वर्ल्डकप का पहला संस्करण किस देश ने जीता है।**
(अ) सउदी अरब
(ब) अर्जेंटीना
(स) ब्राजील
(द) नाइजीरिया

7. **इस वर्ष अगस्ता मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट किस खिलाड़ी ने जीता है।**
(अ) डस्टिन जॉनसन
(ब) जॉर्डन स्पीथ
(स) हिदेकी मात्सुयामा
(द) पैट्रिक रीड

8. **मनु भाकर और सौरभ चौधरी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।**
(अ) हॉकी
(ब) निशानेबाजी
(स) साइक्लिंग
(द) एथेलेटिक्स

9. **इनमें से किस कार रेसर की मृत्यु फॉर्मूला-वन रेस के दौरान हुई थी।**
(अ) एलेन प्रोस्ट
(ब) नेल्सन पिकेट
(स) एर्टन सेना
(द) माइकल शूमाकर

10. **वर्ष 2007 में किस देश ने एएफसी एशियन कप का खिताब जीता है।**
(अ) इराक
(ब) जापान
(स) ईरान
(द) इनमें से कोई नहीं

11. **विराट को किस वर्ष राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा गया है।**
(अ) वर्ष 2014
(ब) वर्ष 2018
(स) वर्ष 2019
(द) वर्ष 2020

12. **इस वर्ष एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की गई थी।**
(अ) कजाकिस्तान
(ब) मंगोलिया
(स) किर्गिस्तान
(द) वियतनाम

13. **वर्ष 2003 में एफ्रो एशियन गेम्स किस देश में आयोजित किए गए थे।**
(अ) भारत (ब) अल्जीरिया
(स) जापान (द) चीन

14. **फीफा वर्ल्डकप-2018 में किस गोलकीपर ने गोल्डन ग्लव अवॉर्ड हासिल किया था।**
(अ) ह्यूगो लॉरिस
(ब) इगोर अकिनफीव
(स) जॉर्डन पिकफोर्ड
(द) थिआबाउट कोर्टोइस

15. **रॉबर्ट लेवानडोवस्की किस क्लब के लिए प्रोफेशनल फुटबॉल खेलते हैं।**
(अ) बार्सिलोना
(ब) लिवरपूल
(स) वायर्न म्युनिख
(द) पेरिस सेंट जर्मेन

16. **रियो ओलिंपिक-2016 में अमेरिका ने स्विमिंग में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं।**
(अ) 15 (ब) 16
(स) 17 (द) 19

17. **केविन एंडरसन किस देश के युवा टेनिस खिलाड़ी हैं।**
(अ) मैक्सिको
(ब) कनाडा
(स) दक्षिण अफ्रीका
(द) इंग्लैंड

18. **भारत के लिए वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला शतक बनाने वाले बल्लेबाज हैं।**
(अ) सुनील गावस्कर
(ब) संजय मांजरेकर
(स) मोहिन्दर अमरनाथ
(द) कपिलदेव

19. **वर्ष 2018 में विम्बलडन ग्रैंड स्लैम में महिला वर्ग में चैम्पियन बनी थीं।**
(अ) मारिया शारापोवा
(ब) एंजेलिक कर्बर
(स) एश्ले बार्टी
(द) सेरेना विलियम्स

20. **वेस्टइंडीज के काइरन पोलार्ड ने किस देश के खिलाफ टी-20 क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के लगाए हैं।**
(अ) श्रीलंका
(ब) दक्षिण अफ्रीका
(स) न्यूजीलैंड
(द) पाकिस्तान

21. **लंदन ओलिंपिक-2012 में किस देश ने फुटबॉल में पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है।**
(अ) उत्तर कोरिया
(ब) जापान
(स) कतर
(द) मैक्सिको

22. **अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के वर्तमान अध्यक्ष हैं।**
(अ) थियरे वेई
(ब) नरेन्द्र बत्रा
(स) सैफ अहमद
(द) फुमियो ओगुरा

23. **सबसे ज्यादा बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने का रिकॉर्ड किस महिला खिलाड़ी के नाम है।**
(अ) मार्गरेट कोर्ट
(ब) वीनस विलियम्स
(स) नाओमी ओसाका
(द) मार्टिना हिंगिस

24. **अपने कैरियर के आखिरी वन-डे मैच में हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज हैं।**
(अ) केमार रोच
(ब) स्टीव हार्मिसन
(स) एंथोनी स्टुअर्ट
(द) सकलैन मुश्ताक

25. **फीफा ने हाल ही में किस देश की राष्ट्रीय फेडरेशन पर प्रतिबंध लगाया है।**
(अ) युगांडा (ब) पाकिस्तान
(स) म्यांमार (द) मिस्र

उत्तर

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (स),10. (अ), 11. (ब), 12. (अ), 13. (अ), 14. (द), 15. (स), 16. (ब), 17. (स), 18. (द), 19. (ब), 20. (अ), 21. (द), 22. (ब), 23. (अ), 24. (स), 25. (ब)

- **पुष्पेंद्र कुमार सविता**
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

खेल चर्चा

तीरंदाजी विश्वकप में भारत का शानदार प्रदर्शन

ग्वाटेमाला सिटी, भारतीय तीरंदाजों ने ग्वाटेमाला सिटी में आयोजित तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण तथा एक कांस्य पदक जीता है। इसके साथ ही भारत ने पदक तालिका में पहला स्थान भी हासिल किया है। भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक अतनु दास ने पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता। वहीं महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय महिला टीम ने महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इस टीम में दीपिका कुमारी के साथ अंकिता भगत और कोमालिका बारी भी शामिल थीं। भारत ने मिश्रित टीम स्पर्धा में भी एक कांस्य पदक जीता है।

ईसीबी ने चयन प्रमुख को पद से हटाया

लंदन, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता एड स्मिथ को पद से हटा दिया है। स्मिथ तीन वर्ष से राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ता की भूमिका निभा रहे थे। ईसीबी ने कहा कि यह कदम पुनर्गठन की प्रक्रिया के तहत उठाया है। टीम चयन की मौजूदा प्रक्रिया 120 वर्ष से अधिक समय से थी। नई तकनीक और संसाधन होने के कारण इस पद की जरूरत नहीं रह गई है। भविष्य में टीम के चयन की जिम्मेदारी इंग्लिश क्रिकेट टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड की होगी। सिल्वरवुड टेस्ट टीम के कप्तान जो रूट तथा वन-डे तथा ट्वेंटी-20 टीम के कप्तान इयॉन मॉर्गन के साथ मिलकर काम करेंगे।

पाकिस्तान ने 2-1 से जीती ट्वेंटी-20 सीरीज

हरारे, पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से अपने नाम किया है। पाकिस्तान ने सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में 24 रनों से जीत दर्ज की। मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट खोकर 165 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिज़वान ने नाबाद 91 तथा कप्तान बाबर आजम ने 52 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम को सलामी बल्लेबाजों वेस्ले मेधेवरे (59) ने बढ़िया शुरुआत दिलाई। इनके अलावा तडीवनाशे मारूमनी (35) और ब्रैंडन टेलर (20) ने भी उपयोगी पारी खेली। पाकिस्तान के तेज गेंदवाज हसन अली ने मैच में शानदार गेंदबाजी कर जिम्बाब्वे को लक्ष्य से दूर रखा।

ड्रॉ टेस्ट मैच में करूणारत्ने ने लगाया दोहरा शतक

कैंडी, श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान दिमुथ करूणारत्ने ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए दोहरा शतक लगाया। इस शतक की बदौलत श्रीलंका मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा। मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 541 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए नजमुल हुसैन (163) और मोमिनुल हक (127) ने शतक बनाए। इसके जवाब में श्रीलंका ने पहली पारी में 8 विकेट खोकर 648 रन बनाए।

राष्ट्रमंडल खेल-2022

आईसीसी ने की छह टीमों के नाम की घोषणा

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने वर्ष 2022 में बर्मिंघम में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट इवेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली महिला क्रिकेट टीमों की घोषणा की है। आईसीसी ने इस प्रतियोगिता के लिए छह टीमों के नाम घोषित किए हैं। इनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। टूर्नामेंट में इंग्लैंड मेजबान देश के रूप में पहले ही क्वालिफाई कर चुका है।

एक कैरेबियाई देश करेगा क्वालिफाई

टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। छह टीमों के नाम की घोषणा आईसीसी ने कर दी है। टूर्नामेंट में एक देश कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफायर के माध्यम से क्वालिफाई करेगा, जबकि एक देश कैरेबियाई क्षेत्र से क्वालिफाई करेगा। अब तक कैरेबियाई देश क्रिकेट में वेस्टइंडीज नाम से संयुक्त टीम बनाकर खेलते हैं, जबकि ओलिंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में ये देश अलग-अलग उतरते हैं। ऐसे में राष्ट्रमंडल में क्रिकेट इवेंट में भी इन कैरेबियाई देशों में से कोई एक देश अपनी टीम भेज सकेगा। वो टीम कौन-सी होगी, इसका फैसला क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के जरिए होगा।

- राष्ट्रमंडल खेलों में महिला क्रिकेट को पहली बार शामिल किया गया है।
- बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल में क्रिकेट के सभी मुकाबले एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेले जायेंगे।
- ये सभी मुकाबले ट्वेंटी-20 फॉर्मेट में आयोजित किए जायेंगे।
- वर्ष 1998 के राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष क्रिकेट को शामिल किया गया था।
- तब दक्षिण अफ्रीका ने स्वर्ण, ऑस्ट्रेलिया ने रजत तथा न्यूजीलैंड ने कांस्य पदक जीता था।

राष्ट्रमंडल खेल-2022 में क्रिकेट इवेंट में मेजबान इंग्लैंड को छोड़कर सभी देशों को आईसीसी वूमेन ट्वेंटी-20 रैंकिंग के जरिए प्रवेश मिला है। यह रैंकिंग एक अप्रैल 2021 के आधार पर तय की गई है। आईसीसी वूमेन ट्वेंटी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 289 अंकों के साथ पहले, इंग्लैंड 284 अंकों के साथ दूसरे, भारत 267 तीसरे, न्यूजीलैंड 267 चौथे, दक्षिण अफ्रीका 252 पांचवें, वेस्टइंडीज 236 छठवें और पाकिस्तान 230 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है।

रैंकिंग में टॉप-10 में मौजूद बांग्लादेश, श्रीलंका और आयरलैंड की टीम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सीधे क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं।

एश्ले बार्टी ने जीता पोर्शे ग्रांप्री खिताब

स्टटगार्ट, ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी महिला टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने पोर्शे ग्रांप्री टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में बार्टी ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 3-6, 6-0, 6-3 से हराया। यह क्ले कोर्ट पर बार्टी का वर्ष 2019 के बाद पहला खिताब है। इससे पहले बार्टी ने वर्ष 2019 में फ्रेंच ओपन जीता था। यह बार्टी के टेनिस कॅरियर का 11वां खिताब है। फाइनल मुकाबले से पहले ही सबालेंका चोटिल हो गई थीं, लेकिन उन्होंने फाइनल मुकाबले में खेलने का फैसला लिया।

आईसीसी ने नुवान जोएसा पर लगाया प्रतिबंध

दुबई, आईसीसी ने श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज और कोच नुवान जोएसा को मैच फिक्सिंग के आरोप में छह वर्ष के लिए प्रतिबंधित किया है। आईसीसी ने कहा कि श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कोच जोएसा को राष्ट्रीय कोच के रूप में आदर्श स्थापित करना चाहिए था, लेकिन वे भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हो गए। उन्होंने मैच फिक्स करने की कोशिश की तथा सट्टेबाजों की भ्रष्ट पेशकश का खुलासा नहीं किया था। आईसीसी ने जोएसा पर वर्ष 2018 में अस्थाई तौर पर प्रतिबंध लगाया था। जोएसा का प्रतिबंध 31 अक्टूबर 2018 से प्रभावी होगा।

विश्व युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

महिला मुक्केबाजों ने किया स्वर्णिम प्रदर्शन

किल्सी, पोलैंड में आयोजित विश्व युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत की नवोदित महिला मुक्केबाजों ने अद्वितीय प्रदर्शन किया है। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने 10 में से 7 वर्ग में स्वर्ण पदक जीते हैं। वहीं पुरुष मुक्केबाजों ने 1 स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने टूर्नामेंट में 8 स्वर्ण तथा 3 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है।

प्रतियोगिता में भारत की 7 महिला मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई थी और सभी खिलाड़ियों ने फाइनल में जीत दर्ज की। भारत के लिए लाइट फ्लाइवेट वर्ग (48 किलोग्राम) में गीतिका नरवाल, फ्लाईवेट वर्ग (51 किलोग्राम) में वेबीरोनिसाना चानू, फीदरवेट वर्ग (57 किलोग्राम) में पूनम पूनिया, लाइटवेट वर्ग (60 किलोग्राम) में विंका, वेल्टरवेट वर्ग (69 किलोग्राम) में अरूंधति चौधरी, मिडिलवेट वर्ग (75 किलोग्राम) में सनमाचा चानू और हेवीवेट वर्ग (81 किलोग्राम) से अधिक में अल्फिया पठान ने भारत को स्वर्ण पदक दिलाए। वेंटमवेट (54 किलोग्राम), लाइट वेल्टरवेट (64 किलोग्राम) और लाइट हेवीवेट (81 किलोग्राम से

कम) वर्ग में भारतीय महिला मुक्केबाज कोई भी पदक नहीं जीत पाईं।

सचिन ने भी जीता स्वर्ण पदक

प्रतियोगिता में भारत के चार पुरुष मुक्केबाजों ने भी पदक जीते। पुरुष वर्ग में एकमात्र स्वर्ण पदक सचिन ने जीता। सचिन ने वेंटमवेट वर्ग (56 किलोग्राम) के फाइनल में कजाकिस्तान के मेरवोलत साबिर को हराया। प्रतियोगिता में लाइट फ्लाइवेट वर्ग (49 किलोग्राम) में विश्वमित्र चोंगथम, लाइट वेल्टरवेट वर्ग (64 किलोग्राम) में अंकित नरवाल तथा हेवीवेट वर्ग (91 किलोग्राम से कम) में विशाल गुप्ता ने भारत के लिए कांस्य पदक हासिल किए।

प्रतियोगिता में रूस 3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जारी की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची

सिडनी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 2020-21 सत्र के लिए खिलाड़ियों के लिए कॉन्ट्रेक्ट सूची जारी की है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची में पुरुष टीम के 20 खिलाड़ियों तथा महिला टीम की 15 खिलाड़ियों को शामिल किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस बार सूची से उन बड़े खिलाड़ियों की छुट्टी कर दी है, जिनका पिछला प्रदर्शन खराब था। इनमें उस्मान ख्वाजा और मार्कस स्टोयनिस भी शामिल हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस बार छह नए खिलाड़ियों को नए सत्र के लिए अनुबंधित किया है। इनमें उभरते युवा बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन, एश्टन एगर, मिशेल स्टार्क , केन रिचर्ड्सन और कैमरन ग्रीन शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता ने मिशेल स्टार्क और मैथ्यू वेड जैसे सीनियर खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट सूची में शामिल किए जाने पर कहा कि इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले कुछ समय से बेहतरीन क्रिकेट खेला है। जिन खिलाड़ियों को सूची में जगह नहीं मिली है, वो घरेलू क्रिकेट में अपना प्रदर्शन सुधार कर टीम में वापसी की कोशिश करें।

अनुबंधित पुरुष खिलाड़ी - एश्टन एगर, जो बर्न्स, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, एरॉन फिंच, जोश हेजलवुड, ट्रेविस बाईन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लॉयन, मिशेल स्टार्क, ग्लेन मैक्सवेल, टिम पेन, जेम्स पैटिनसन, झाय रिचर्ड्सन, केन रिचर्ड्सन, स्टीव डेविड वॉर्नर और एडम जम्पा।

अनुबंधित महिला खिलाड़ी - निकोला कैरी, एश्ले गार्डनर, रशेल हेन्स, एलिसा हीली, जेस जॉनसन, डेलिसा किमिन्सन मेग लैनिंग, तालिया मैक्ग्रा, सोफी मेलिनेक्स, वेथ मूनी, एलिस पैरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, तायला व्लामेंकिनेक और जॉर्जिया वारहेम।

बार्सिलोना ओपन

राफेल नडाल ने बारहवीं बार जीता खिताब

बार्सिलोना, स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने अपने टेनिस कॅरियर में एक और खिताब जीता है। नडाल ने क्ले कोर्ट पर अपनी बादशाहत साबित करते हुए बार्सिलोना ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। नडाल ने रिकॉर्ड बारहवीं बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में नडाल ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को 6-4, 6-7 (6-8), 7-5 से हराया।

फाइनल में सितसिपास ने दी कड़ी टक्कर

टूर्नामेंट के फाइनल में नडाल और सितसिपास के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। फाइनल मुकाबला 3 घंटे 38 मिनट तक चला। यह एटीपी फाइनल में सबसे लंबा वेस्ट ऑफ थ्री मुकाबला है। नडाल ने पहले सेट में सितसिपास को आसानी से हरा दिया, लेकिन सितसिपास

ने दूसरे सेट में पलटवार किया। यह सेट टाई ब्रेकर में गया, जहां नडाल ने 6-8 से जीत दर्ज की। मैच को तीसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। यह सेट भी नडाल ने अपने नाम किया।

खिताब जीतने के बाद नडाल ने कहा कि किसी भी टूर्नामेंट को जीतने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पहले सेट में मैंने अच्छी

- राफेल नडाल ने वर्ष 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2011, 2012, 2013, 2016, 2017 और 2018 में भी जीता है यह खिताब।
- नडाल ने वर्ष 2018 में बार्सिलोना ओपन के फाइनल में भी सितसिपास को हराया था।
- यह नडाल के एटीपी कॅरियर का 87वां खिताब है।
- नडाल अब तक 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब तथा दो बार ओलिंपिक खेलों में (वर्ष 2008 और 2016) स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

शुरुआत नहीं की थी और एक समय 2-4 से पीछे था, लेकिन मैंने हिम्मत नहीं हारी। यह खिताब मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह एक शानदार जीत है।

हॉकी प्रो लीग

भारत और ब्रिटेन के मैच हुए स्थगित

लंदन, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच आठ और नौ मई 2021 को लंदन में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मुकाबलों को स्थगित कर दिया गया है। ब्रिटिश सरकार ने भारत में कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए भारत को यात्रा संबंधित लाल सूची में डाल दिया है जिसके बाद यह फैसला किया गया है। हमें किसी अन्य तारीख पर इन मैचों के आयोजन की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मई महीने में ब्रिटेन के अलावा 15-16 मई को स्पेन तथा 22-23 मई को जर्मनी के खिलाफ भी एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मुकाबले खेलने हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सामयिकी

भारत के लिए सहायता मिशन शुरू करेगा जर्मनी

जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा कि उनकी सरकार भारत के लिए तत्काल सहायता मिशन की तैयारी कर रही है। कोविड महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच कई राज्यों में मेडिकल ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। एक संदेश में मर्केल ने कहा कि महामारी की इस लड़ाई में जर्मनी पूरी एकजुटता से भारत के साथ खड़ा है। मर्केल के इस संदेश को भारत में जर्मनी के राजदूत वॉल्टर जे लिंडनेर ने ट्विटर पर साझा किया। उन्होंने कहा, जर्मनी पूरी एकजुटता से भारत के साथ खड़ा है। इस बीच अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने भी भारत के साथ एकजुटता प्रदर्शित की।

भारत और फ्रांस

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में और मजबूत करेंगे गठबंधन

भारत और फ्रांस हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बहुआयामी बनाने को तैयार हो गये हैं। इस क्रम में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच चली लंबी बातचीत में कई पहलुओं पर चर्चा हुई है। फ्रांस की तरफ से यह घोषणा की गई है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से प्रस्तावित इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव (आईपीओआई) में हिस्सा लेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आईपीओआई की अवधारणा का प्रस्ताव हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित देशों के बीच व्यापक रणनीतिक तथा आर्थिक सहयोग स्थापित करने के लिए किया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और फ्रांस के विदेश मंत्री जीन वेस ले द्रां के बीच वार्ता में भारत और यूरोपीय संघ के बीच होने वाले कारोबार एवं निवेश समझौते को लेकर काफी बात हुई है। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय कारोबार तेजी से बढ़ रहा है जो वर्ष 2020 में 10.75 अरब डॉलर का रहा था। भारत और ईयू के बीच कारोबारी समझौते के बाद इसमें तेजी से वृद्धि होने की संभावना है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि समझौते को लेकर तेजी से बातचीत होनी चाहिए। ज्ञात रहे कि अगले महीने प्रधानमंत्री श्री मोदी पुर्तगाल जा रहे हैं, जहां इस बारे में बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है। जयशंकर और द्रां के बीच वार्ता में रक्षा एवं सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा शोध क्षेत्रों में द्विपक्षीय रिश्तों को और ज्यादा विस्तार देने को लेकर भी बात हुई है। दोनों मंत्रियों के बीच भारत, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के त्रिपक्षीय रिश्तों को लेकर भी बात हुई है। संभवतः तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की अलग से भी एक बैठक जल्द होगी जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी-अपनी सामुद्रिक ताकतों के बीच बेहतर सामंजस्य बनाने में को लेकर बात होगी।

भारत में 5 प्रतिशत ज्यादा बारिश होने के आसार : स्टडी

पोट्सडैम इंस्टीट्यूट ऑफ क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (जर्मनी) के साइंटिस्ट, प्रोफेसर एंडर्स लीवरमैन ने

- **वैज्ञानिकों ने बताया- हालात बिगड़ेंगे, खेती पर होगा सीधा असर।**

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भारत की बारिश पर होने वाले प्रभावों का अध्ययन किया है। उनके मुताबिक, जितनी बार धरती का पारा ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से एक डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़ेगा, उतनी बार भारत में मानसून की बारिश में 5 प्रतिशत ज्यादा बारिश होगी। उनका कहना है कि मानसूनी बारिश का अंदाजा लगाना भी मुश्किल होगा। उनकी यह स्टडी अर्थ सिस्टम डायनेमिक्स में प्रकाशित हुई है। भारत में आमतौर पर बारिश का सीजन जून के महीने से शुरू होता है और यह सितंबर के अंत तक चलता है। प्रो. एंडर्स ने बताया कि इस सदी के अंत तक साल-दर-साल ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से तापमान बढ़ेगा।

बाइडेन ने दिया उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य पर जोर

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जलवायु परिवर्तन पर डिजिटल सम्मेलन बुलाया है। इस दौरान उनके सामने एक जटिल काम यह होगा कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के गैर-बाध्यकारी, लेकिन सांकेतिक लक्ष्य को कैसे प्रस्तुत किया जाए।

उत्सर्जन के लक्ष्य से यह संदेश मिलेगा कि बाइडेन जलवायु परिवर्तन पर कितनी आक्रामकता के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। इस बारे में अमेरिका में राय बंटी हुई है। जलवायु परिवर्तन का संकट बाइडेन के लिए एक जटिल राजनीतिक चुनौती है। यह एक बड़ी चुनौती है, इस पर महामारी राहत पैकेज या अवसंरचना विधेयक की तुलना में उपेक्षित परिणाम आने में अधिक कठिनाई होगी। जलवायु परिवर्तन के संबंध में 2030 तक पूरा करने के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर नियत योगदान या एनडीसी कहा गया है। ये लक्ष्य पेरिस जलवायु समझौते का प्रमुख हिस्सा है। बाइडेन ने अपने कार्यकाल के पहले दिन पेरिस समझौते में अमेरिका को फिर से शामिल किया था।

व्हाइट हाउस की पूर्व सलाहकार केट लार्सन ने कहा कि बाइडेन जो लक्ष्य तय करेंगे, क्या वो अगले दशक में उत्सर्जन कम करने की रफ्तार और महत्वाकांक्षा के स्तर को तय करेगा? पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की जलवायु परिवर्तन योजना के विकास में मदद करने वाली लार्सन और अन्य विशेषज्ञों ने कहा कि लक्ष्य 2030 तक हासिल करना है जो वैज्ञानिकों और उन लोगों को संतुष्ट करने के लिहाज से पर्याप्त है जो जलवायु परिवर्तन की गति को घटाने के लिहाज से आने वाले दशक को महत्वपूर्ण मानते हैं। वैज्ञानिकों, पर्यावरण समूहों और अन्य कारोबारी नेताओं ने बाइडेन से कहा है कि वे ऐसा लक्ष्य तय करें जिससे अमेरिका का ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 2030 तक कम से कम 50 फीसदी घट सके।

चेक गणराज्य के

राजनयिकों को रूस ने किया निष्कासित

चेक गणराज्य द्वारा 18 रूसी राजनयिकों को सैन्य खुफिया एजेंसी का जासूस बताकर निष्कासित किए जाने के जवाब में रूस ने चेक गणराज्य के 20 राजनयिकों को एक दिन के भीतर देश से बाहर जाने का आदेश दिया है।

चेक गणराज्य का आरोप है कि ये 18 रूसी राजनयिक देश में गोला-बारूद के एक डिपो में 2014 में हुए विस्फोट में शामिल थे। रूस के विदेश मंत्रालय ने चेक गणराज्य के राजदूत वितेज्स्लाव पिवोंका को तलब किया और उनके देश के 20 राजनयिकों को देश से बाहर जाने का आदेश दिया। इससे पहले रूसी मंत्रालय ने चेक गणराज्य से उसके राजनयिकों को निष्कासित किए जाने को एक 'शत्रुतापूर्ण कदम' बताया। उल्लेखनीय है कि चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस ने कहा था कि चेक गणराज्य की खुफिया एवं सुरक्षा सेवाओं ने सबूत मुहैया कराए हैं, जो एक पूर्वी कस्बे में हुए बड़े विस्फोट में रूसी सेना के एजेंटों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। बाबिस ने कहा था, चेक गणराज्य है और उसे इस प्रकार के अप्रत्याशित नतीजों का उचित जवाब देना ही चाहिए।

देश के गृह एवं विदेश मंत्री जान हामासेक ने कहा था कि रूसी दूतावास के 18 कर्मियों की पहचान रूसी जासूसों के तौर पर स्पष्ट रूप से हुई है और उन्हें 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

कोरोना त्रासदी

ब्राजील में दो करोड़ लोग भूखे मरने को मजबूर

ब्राजील में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। हर रोज हजारों लोगों की मौत हो रही है। कब्रिस्तानों में लाशें दफन करने की जगह नहीं बची है। दूसरी ओर, ब्राजील में करीब दो करोड़ लोग कोरोना से उपजे हालातों के कारण भूख से जूझ रहे हैं। आलम ये है कि कुल 21.1 करोड़ की आबादी में से लगभग आधे लोगों को ठीक से भोजन नसीब नहीं हो रहा।

- **ब्राजील इंस्टीट्यूट ऑफ ज्योग्राफी एंड स्टेटिक्स के अनुसार बीते एक साल में देश में चावल के दाम 70 प्रतिशत और घरेलू गैस के 20 प्रतिशत तक बढ़े हैं।**

गांवों में हालात बहुत खराब हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस स्थिति का कारण कोरोना की वजह से बढ़ी बेकारी और बेतहाशा बढ़े जरूरी चीजों के दाम।

ज्ञात रहे कि रोज़गार की तलाश में ब्राजील से बड़ी संख्या में लोग अमेरिका जाते हैं। लेकिन कोरोना के कारण उनके लिए मुसीबत खड़ी हो गई है, वहां उन्हें टीका नहीं लगाया जा रहा। क्योंकि, इनके पास ड्राइविंग लाइसेंस जैसे स्थानीय पहचान पत्र नहीं हैं। यूएस के 50 में से 10 ही राज्यों में ऐसे लोगों को टीका लगाया जा रहा है।

जर्मनी के रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट के अनुसार टेस्टिंग कम होने से केसों में वृद्धि हो रही है। इंस्टीट्यूट ने 70 अस्पतालों के डेटा के आधार पर पाया कि जर्मनी में युवाओं के कोरोना संक्रमित होने की दर तेजी से बढ़ रही है, इनमें सांस लेने में परेशानी प्रमुख लक्षण है। वहां 90 प्रतिशत नए केस यूके वैरियंट के मिले।

उत्तर कोरिया ने की

सबमरीन से मिसाइल लॉन्च की तैयारी

एक तरफ दुनिया कोरोना महामारी के संकट से जूझ रही है वहीं, उत्तर कोरिया हथियारों का बेड़ा बढ़ाने में लगा है। ऐसी खबरें हैं कि कोरिया जल्द ही सबमरीन से लॉन्च होने वाली परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण करेगा। तीन हजार टन वजन वाली सबमरीन में तीन मिसाइल तैनात हो सकती हैं। पैसिफिक महासागर से इससे गुवाम, हवाई और अमेरिका को भी निशाना बनाया जा सकता है। प्योंगयांग के इस कदम को उत्तर-पूर्व एशिया और अमेरिका की स्थिरता के लिए खतरा माना जा रहा है।

- **उत्तर कोरिया के पास पैसिफिक महासागर की गहराई, मौसम, लहरों की ताकत जानने का तरीका नहीं है। अगर सबमरीन समुद्र में भटक गयी तो कोरिया खोज भी नहीं पाएगा। वहीं इस इलाके में जापान की सख्त निगरानी है।**

वॉशिंगटन डीसी के थिंक टैंक द सिमोंस सेंटर के विशेषज्ञ लंबे समय से उत्तर कोरिया शिनपो शिपयार्ड में जारी इस प्रोजेक्ट पर निगाह रखे हुये हैं। नई उपग्रह तस्वीरों से पता चलता है कि पोत लॉन्चिंग को तैयार है। जुलाई 2019 में उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के शिपयार्ड का दौरा करने के बाद सबमरीन की फोटो जारी हुई थी। कंस्ट्रक्शन साइट पर जहां पहले सामान पड़ा था वह जगह भी खाली हो गई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि परमाणु क्षमता से संपन्न पुकगुकसॉन-3 मिसाइल की मारक क्षमता 1900 कि.मी. है।

सबमरीन 1950 के सोवियन डीजल इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन तथा मिसाइल लॉन्च टेक्नोलॉजी पर आधारित है, जो अब ज्यादा कारगर नहीं है।

ऑस्कर अवॉर्ड्स सेरेमनी

नोमैडलैंड को मिला बेस्ट फिल्म अवॉर्ड

93वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में फिल्म 'नोमैडलैंड' को बेस्ट पिक्चर का अवॉर्ड दिया गया। फिल्म में फ्रांसिस मैकडॉर्मेंड मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की डायरेक्टर क्लोइ झाओ को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। ऑस्कर के 93 साल के इतिहास में इस कैटेगरी का पुरस्कार जीतने वाली वह दूसरी महिला हैं। 93वें ऑस्कर अवॉर्ड्स सेरेमनी में प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' बेस्ट अडॉप्टेड स्क्रीनप्ले कैटेगरी में नॉमिनेट हुई थी, लेकिन इस कैटेगरी में यह अवॉर्ड 'द फादर' के नाम रहा। अवॉर्ड्स हॉलीवुड के डॉल्बी थिएटर में घोषित किए गए, जिनमें 'नोमैडलैंड' का बोलबाला रहा। फिल्म ने तीन अवॉर्ड्स बेस्ट पिक्चर, बेस्ट एक्ट्रेस और बेस्ट डायरेक्शन अपने नाम किए। वहीं डिंपल कपाड़िया की फिल्म 'टेनेट' ने भी ऑस्कर अवॉर्ड जीता है। इस फिल्म को बेस्ट विजुअल इफेक्ट के लिए ऑस्कर अवॉर्ड दिया गया है। अवॉर्ड सेरेमनी के मेमोरियम सेगमेंट में इरफान खान और इंडियन ऑस्कर-विनिंग कॉस्ट्यूम डिजाइनर भानु अथैय्या को भी श्रद्धांजलि दी गई।

- **प्रियंका चोपड़ा की 'द व्हाइट टाइगर' अवॉर्ड से चूकी।**

83 साल के एंथोनी हॉपकिंस ने बेस्ट एक्टर का खिताब 'द फादर' के लिए जीता। वे इस कैटेगरी में ऑस्कर जीतने वाले सबसे उम्रदराज एक्टर हो गए हैं।

वहीं 73 साल की साउथ कोरियाई एक्ट्रेस यून-जुंग यून ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। यह अवॉर्ड जीतने वाली वे साउथ कोरिया की पहली और एशिया की दूसरी एक्ट्रेस हैं।

इन फिल्मों को मिले 5 से ज्यादा नॉमिनेशन

नॉमिनेशन सेरेमनी में 'मांक' को 10, 'द फादर' को 6, 'जूडास एंड द ब्लैक मसीह' को 6, 'मिनारी' को 6, 'नोमैडलैंड' को 6, 'द ट्रायल ऑफ द शिकागो' को 6, 'मा रैनीज ब्लैक बॉटम' को 5, 'प्रॉमिसिंग यंग वुमन' को 5 नॉमिनेशन मिले थे।' इस कार्यक्रम का प्रसारण दुनियाभर के दर्शकों के लिये ऑनलाइन भी किया गया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।